अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 202 लखनऊ, शुक्रवार, 07 फरवरी 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

दिल्ली विधानसभा चुनाव : मतगणना कल सभी तैयारियां पूरी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की मतगणना शनिवार को सुबह आठ बजे शुरू होगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना के लिए उम्मीदवारों और उनके एजेंटों के दस्तावेजों की जांच पूरी हो गई है। इस बार किसी भी विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान की जरूरत नहीं है। दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज ने गुरुवार को बताया कि सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों ने सामान्य पर्यवेक्षकों, उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की उपस्थिति में चुनाव दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली गई है। जांच प्रक्रिया के दौरान चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज सही क्रम में पाए गए। पर्यवेक्षकों, उम्मीदवारों और प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की।

सरकार विदेशों में भारतीय छात्रों के कल्याण पर सावधानीपूर्वक नज़र रखती है: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार विदेशों में पढ़ने वाले छात्रों के कल्याण पर सावधानीपूर्वक नज़र रखती है। किसी तनाव या हिंसा प्रभावित क्षेत्र में किसी भी आपात स्थिति के लिए सरकार हमेशा एक योजना बनाकर रखती है। प्रश्नकाल के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि हम उनके कल्याण पर भी सावधानीपूर्वक नज़र रखते हैं। जब भी किसी तनाव या हिंसा की आशंका की स्थिति होती है, उस समय हम छात्रों को सचेत करते हैं। जब भी हमें उड़ाने संचालित करने या उन्हें बचाने जैसे कोई और कदम उठाने की ज़रूरत होती है, तो हम तैयार रहते हैं, हमारे पास हमेशा ऐसे अवसरों के लिए आकस्मिक योजनाएं होती हैं।

जयपुर में टायर फटने से बेकाबू रोडवेज बस कार से टकराई, आठ की मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में दूदू क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि हादसे में छह लोग घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब दोपहर करीब 3:45 बजे जयपुर-अजमेर हाईवे पर मौखमपुरा के पास राजस्थान रोडवेज की बस टायर फटने के कारण अनियंत्रित होकर एक ईको कार से टकरा गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

योगी कैबिनेट में 11 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

उप्र विधान सभा का 18 फरवरी से शुरु होगा बजट सत्र, 20 को पेश होगा बजट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में विधान सभा का बजट सत्र 18 फरवरी से शुरू होने और 2025-26 की आबकारी नीति को मंजूरी मिलने समेत 11 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। योगी सरकार विधान सभा में 20 फरवरी को अपना बजट प्रस्तुत करेगी।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने गुरुवार को लोकभवन में पत्रकार वार्ता कर बताया कि बुधवार की शाम हुई कैबिनेट बैठक में कुल 12 प्रस्ताव आए थे। उसमें से एक को छोड़कर बाकी सभी 11 प्रस्तावों को कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बस अड्डों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) पद्धति के तहत विकसित कराए जाएगा। इसके लिए निगम को अन्य विभागों से प्राप्त लीज की अवधि के विस्तार के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद की सहमित मिल गयी।

- यूपी 112 को मिलेंगे 469 नए वाहन
- केजीएमयू में 500 बेड के ट्रामा सेंटर का होगा विस्तार

खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली-2025 का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस पर भी मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल गयी है। उत्तर प्रदेश सरकार जल परिवहन के साथ-साथ जल पर्यटन को भी विकसित करने की योजना बना रही है। इस प्राधिकरण के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों को जलमार्ग से जोड़ने और उन्हें आकर्षक बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इससे पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का यह कदम जल परिवहन को बढ़ावा देने और राज्य में आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। यूपी 112 के निर्बाध संचालन के लिए कैबिनेट ने 469 पुराने वाहनों की जगह 469 नए वाहनों का अनुमोदन प्रस्ताव मंजूर कर लिया। इसके लिए 43 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि खर्च की जाएगी। इसमें चार

पहिया वाहनों के साथ-साथ दो पहिया वाहनों की भी खरीद की जाएगी।

मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि केजीएमयू में 500 बेड के ट्रामा सेंटर के विस्तार एवं यूटीलिटी कॉम्प्लेक्स के निर्माण की योजना को मंजूरी मिल गयी है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ में मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि को देखते हुए यहां स्थापित ट्रामा सेंटर के विस्तार का निर्णय लिया गया है। वर्तमान ट्रामा सेंटर का विस्तार करते हुए इसे 460 बेड से बढ़ाकर 500 बेड का किया जाएगा। इसके साथ ही पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का भी निर्माण कराया जाएगा। इस पर 272 करोड़ 97 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। इस निर्णय से एक ही छत के नीचे किसी भी दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीजों को सभी सर्जिकल स्पेशियलिटी सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी।

डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को हाई स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए भारत सरकार से अनुमोदित राशि के अतिरिक्त खर्च होने वाली राशि को राज्य सरकार वहन करेगी। मालूम हो कि भारत सरकार द्वारा टैबलेट खरीद के लिए 5166.70 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है, लेकिन टैबलेट को छात्र हित में अधिक उपयोगी बनाने के लिए उच्च स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट की खरीद के लिए राज्य सरकार द्वारा 1468.80 लाख रुपए वहन किए जाएंगे। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि 2025-26 की आबकारी नीति को कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी है। इसमें सबसे बड़ा फैसला ई-लाटरी के माध्यम से समस्त देशी मदिरा की दुकानें, कम्पोजिट दुकानें, मॉडल शॉप और भांग की दुकानों के व्यवस्थापन का कार्य करेंगे। अब ई-लाटरी के माध्यम से व्यवस्थापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। ई-लॉटरी में केवल एक ही आवेदन करने का मौका मिलेगा। प्रदेश में एक आवेदक को दो से ज्यादा दुकानें आवंटित नहीं की जाएंगी। यह निर्णय लिया गया है। इसी के साथ्साथ कम्पोजिट शॉप की नयी व्यवस्था लेकर आए हैं। बियर की अलग दुकानें चलती थीं। उन्हें एक साथ लाया जा रहा है। ताकि एक ही स्थान पर ये सारी चीजें मिल जाएं। कम्पोजिट शॉप के तहत यदि बियर और विदेशी मदिरा की दुकान पास-पास है तो उसको मर्ज करके एक दुकान कर देंगे। प्रोसेसिंग फीस को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक दुकानें खुलेंगी। हर जिला मुख्यालय पर फलों से निर्मित मदिरा की दुकान खोली जाएगी।

उत्तराखंड को नशामुक्त बनाने और इसे देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में कार्य करें : सीएम योगी

एजेंसी

- गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय विथ्याणी की गौरक्ष पत्रिका का किया विमोचन

देहरादून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पैतृक गांव पंचुर के भ्रमण के दौरान सिद्धपीठ महादेव मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, विथ्याणी में 'गौरक्ष पत्रिका' का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित किए और गोविंद बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर के स्टॉलों का अवलोकन भी किया। यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ और पूजनीय पिताजी ने इस महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय विथ्याणी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कांग्रेस के लिए 'फैमिली फर्स्ट', हमारे के लिए 'नेशन फर्स्ट': मोदी

एजेंसी

- सबका साथ, सबका विकास हम सभी का दायित्व, कांग्रेस से इसकी उम्मीद करना बड़ी भूल: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुए कहा कि पार्टी एक परिवार का साथ देने की अपनी राजनीति में अटकी हुई है जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र के साथ काम करती है और लगातार तीसरी बार भरोसा अर्जित करने में कामयाब रही है। श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस का माडल ह्न फैमिली फर्स्टङ्क का है जबकि राजग सरकार ''नेशन फर्स्टङ्क के मानदंड को अपनाकर देश की सेवा करती है। उन्होंने कहा कि विगत में कांग्रेसी सरकारों की नीति में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण का घालमेल रहा है। कांग्रेस के लिए परिवार सबसे पहले हैं। इसलिए उनका संपूर्ण बल इसमें लगता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार शत प्रतिशत संतुष्टिकरण की नीति को लेकर अपनी योजनायें बनाकर चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दौर में योजनाओं को अटकाने, भटकाने और लटकाने की संस्कृति थी तथा कोटा परमिट व्यवस्था से भारत में लंबे समय तक वृद्धि दर निम्न रही जिससे दुनिया में ह्न हिन्दू ग्रोथ रेटङ्क के नाम से हिन्दू समाज को बदनाम किया गया। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से मुक्त व्यापार करने वाला देश रहा है। श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण में संविधान निर्माताओं की भावनाओं का आदर किये जाने के आह्वान का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रुप से हमला किया। उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा कि संविधान को लेकर जेब में लेकर घूमने वाले लोग जातिवादी जहर की राजनीति कर रहे हैं जबकि हम संविधान की भावनाओं के अनुरुप काम करते हैं। उन्होंने कहा, '' हम संविधान को जीते हैं और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने में लगे हैं।ङ्क

उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने बिना तनाव के एसटी एससी अधिनियम को मजबूत किया है, सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडर के लिए विशेष व्यवस्थायें की लेकिन कुछ लोग जातिवाद का जहर बोने में लगे हैं।

सेना की मारक क्षमता बढ़ेगी, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम खरीदे जाएंगे

एजेंसी

- रक्षा मंत्रालय ने ईईएल और एमआईएल के साथ 10,147 करोड़ के अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए गुरुवार को पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए कुल 10,147 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। पिनाका के लिए इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) और म्यूनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा शक्ति सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ सौदा किया गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 29 जनवरी को इस सौदे के लिए मंजूरी दी थी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पिनाका रॉकेट और लॉन्चरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने चार पिनाका रेजिमेंट को शामिल किया है, जिनमें से कुछ लॉन्चर चीन के साथ उत्तरी सीमाओं के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी तैनात किए गए हैं। सरकार ने देश की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर छह पिनाका रॉकेट रेजिमेंट बनाने का फैसला किया है। लम्बी दूरी तक मार करने के लिए फ्री फ्लाइट आर्टिलरी रॉकेट सिस्?टम की मारक क्षमता 45 किलोमीटर है, जबकि हवाई हथियारों को 37.5 किमी. की दूरी तक लॉन्च किया जा सकता है। इसका लॉन्चर सिर्फ 44 सेकेंड में 12 पिनाका रॉकेट्स दागने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय ने आज पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए एरिया डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) टाइप-1 (डीपीआईसीएम) और हाई एक्सप्लोसिव प्री फ्रैगमेंटेड (एचईपीएफ) एमके-1 (एन्हांस्ड) रॉकेट की खरीद के लिए इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) और म्यूनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इन रॉकेटों की कुल लागत 10,147 करोड़ रुपये है।

रक्षा मंत्रालय आज ही शक्ति सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ सौदा किया गया है। इन तीनों अनुबंधों पर नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इसमें उच्च विस्फोटक और क्षेत्र निषेध हथियार शामिल हैं। हाल ही में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति से मिली मंजूरी पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए मिली है। इस परियोजना को नागपुर की रॉकेट निर्माता कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज और पूर्व आयुध निर्माणी बोर्ड की कंपनी म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के बीच विभाजित किया गया है।डीआरडीओ पहले से ही पिनाका रॉकेट के 120 किलोमीटर के मारक संस्करण को बनाने के उन्नत चरणों में है और अगले वित्तीय वर्ष में इसका पहला परीक्षण किए जाने की उम्मीद है। सीसीएस से मंजूरी मिलने वाले रॉकेटों की मारक क्षमता लगभग 45 किलोमीटर है और ये पाकिस्तान तथा चीन सीमा पर बहुत प्रभावी हो सकते हैं।

आसाराम डॉक्यूमेंट्री विवाद पर केंद्र, राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'कल्ट ऑफ फियरः आसाराम बापू' विवाद मामले में डिस्कवरी चैनल कर्मचारियों को कथित तौर पर धमकियां देने के आरोप वाली उनकी याचिका पर केंद्र और अन्य राज्य सरकारों को गुरुवार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य सरकारों को नोटिस जारी करते हुए उन्हें याचिकाकर्ता शशांक वालिया और अन्य तथा उनके कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने जिन राज्यों को नोटिस जारी किया उनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और दिल्ली शामिल हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 25 जनवरी को उस डॉक्यूमेंट्री के डिस्कवरी चैनल के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शुरू होने के बाद संबंधित कंपनी कर्मचारियों को स्वयंभू संत आसाराम के अनुयायियों द्वारा धमकियां दी जा रही हैं। शीर्ष अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव मुखर्जी ने कहा कि शिकायत के बाद भी गुंडों की धमकियों के कारण अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मप्र के शिवपुरी में वायुसेना का फाइटर प्लेन क्रैश, दोनों पायलट सुरक्षित

- वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में गुरुवार को भारतीय वायुसेना का एक फाइटर प्लेन मिराज-2000 क्रैश हो गया है। आसमान में उड़ते हुए फाइटर प्लेन अचानक खेत में गिरा और उसमें आग लग गई। प्लेन में दो पायलट थे। हादसे से पहले दोनों पायलटों ने खुद को इजेक्ट कर लिया था। दोनों ही सुरक्षित हैं। यह ट्विन सीटर मिराज-2000 था। घटना की जानकारी मिलते ही वायुसेना की टीम हेलिकॉप्टर से मौके पर पहुंची और दोनों पायलटों को ग्वालियर लेकर रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि तीन फाइटर प्लेन ने ग्वालियर से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी। इनमें से दो प्लेन सुरक्षित लौट गए, जबकि एक क्रैश हो गया। वायुसेना ने हादसे की शुरुआती वजह सिस्टम में खराबी बताते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

शिवपुरी जिले के नरवर तहसील अंतर्गत ग्राम बहरेटा सानी में आज दोपहर बाद 2.40 बजे वायुसेना का एक फाइटर प्लेन मिराज-2000 क्रैश होकर किसानों के खेत में जा गिरा और उसमें आग लग गई, जिससे प्लेन जलकर खाक हो गया है।

वर्ष 2025-26 के लिए अबकारी का राजस्व लक्ष्य 60 हजार करोड़ : नितिन अग्रवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश में विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं एल.ए.बी. आदि की फुटकर बिक्री हेतु कम्पोजिट दुकानों का गठन करते हुये इनका व्यवस्थापन कराये जाने का प्रस्ताव है। राजस्व हित में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु देशी मदिरा दुकानों, कम्पोजिट दुकानों, मॉडल शॉप और भांग की फुटकर दुकानों का व्यवस्थापन ई-लाटरी के माध्यम से किया जायेगा। प्रीमियम रिटेल वेण्ड दुकानों के अनुज्ञापनों का अनुज्ञापी के आवेदन पर वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित देयताओं/प्रतिबंधों के अधीन नवीनीकरण किया जायेगा। वर्ष 2024-25 में देशी मदिरा की तीव्रता एवं प्रकार के आधार पर प्रचलित श्रेणियों के स्थान पर वर्ष 2025-26 में देशी मदिरा की निम्नांकित श्रेणियां प्रस्तावित हैं:- (1) शीरा से निर्मित ई.एन.ए. आधारित कैरामल युक्त 36 प्रतिशत वी./वी. (मसाला) 200 एम.एल. की धारिता की एसेप्टिक ब्रिक पैक में। (2) शीरा से निर्मित ई.एन.ए. आधारित फूड कलर युक्त 25 प्रतिशत वी./वी. (सुवासित) 200 एम.एल. की धारिता की एसेप्टिक ब्रिक पैक में। यू.पी.एम.एल. की निम्नांकित श्रेणियां वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित किया जाना प्रस्तावित हैं:- (1) ग्रेन ई.एन.ए. आधारित कैरामल युक्त 42.8 प्रतिशत वी./वी. (मसाला) 200 एम.एल. की धारिता की एसेप्टिक ब्रिक पैक में। (2) ग्रेन ई.एन.ए. आधारित कैरामल युक्त 28 प्रतिशत वी./वी. (मसाला) 200 एम.एल. की धारिता की एसेप्टिक ब्रिक पैक में। वर्ष 2024-25 में व्यवस्थित एवं तर्कसंगत किये गये कुल वार्षिक एम.जी.क्यू. पर 10 प्रतिशत की वृद्धि कर देशी मदिरा दुकानों का एम.जी.क्यू.

निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है।

देशी मदिरा की फुटकर दुकानों की बेसिक लाइसेंस फीस की दर 32 प्रति बल्क लीटर वार्षिक एम.जी. क्यू. के आधार पर निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है। वर्ष 2025-26 में विदेशी मदिरा की रेगुलर श्रेणी में 90 एम.एल. की धारिता एवं उससे ऊपर की श्रेणियों में विदेशी मदिरा की बिक्री 60 एम.एल. एवं 90 एम.एल. की धारिता की शीशे की बोतलों के साथ-साथ सिरोंग पैक में भी अनुमन्य किया जाना प्रस्तावित है। यदि इवेंट स्थल पर किसी अन्य प्रदेश में बिक्री हेतु अनुमन्य मदिरा का स्टाक अथवा इसका सेवन किया जाना पाया जाता है तब इवेंट बार अनुज्ञापन धारक एवं इवेंट स्थल के प्रबंधक / स्वामी प्रत्येक पर 1,00,000/- तक का अर्थदण्ड आरोपित किया जाना प्रस्तावित है। वर्ष 2025-26 में बीयर, वाइन एवं एल.ए.बी. को छोड़कर अन्य प्रकार की मदिरा की बार अनुज्ञापनों से सील बन्द बोतलों/कैन की बिक्री अनुमन्य नहीं होगी। वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित कम्पोजिट दुकानों एवं वर्ष 2024-25 में व्यवस्थित देशी मदिरा, मॉडल शॉप, की कुल दुकानों के 3 प्रतिशत तक के समतुल्य दुकानों के सृजन का अधिकार आबकारी आयुक्त, उ.प्र. को होगा। इससे अधिक की आवश्यकता पड़ने पर शासन की अनुमति से नई दुकानों का सृजन किया जा सकेगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्रतिभूति के रूप में केवल आनलाइन सत्यापन योग्य एवं आबकारी आयुक्त अथवा जिला आबकारी अधिकारी को प्लेज्ड ई-बैंक गारण्टी ही स्वीकार किया जाना प्रस्तावित है। एथनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के अंतर्गत ऑयल मिक्सिंग डिपोज़ को एथेनाल की आपूर्ति के लिये परमिट प्राप्त करने हेतु आनलाइन प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु 7,500/- प्रासेसिंग फीस लिया जाना प्रस्तावित है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के दृष्टिगत मदिरा के परिवहन पासों का मैनुअल पद्धति से सत्यापन एवं वापसी की व्यवस्था समाप्त करते हुये परिवहन पासों ऑनलाइन सत्यापन मदिरा प्राप्ति साक्ष्य के रूप में पर्याप्त माने जाने तथा बॉण्ड अनुज्ञापनों/ आसवनियों/ यवासवनियों/ चीनी मिलों आदि हेतु विहित पंजिकाओं को मैनुअली भरे जाने में संसाधन एवं समय का अपव्यय होता है अतः विहित पंजिकाओं को ऑनलाइन भरे जाने की व्यवस्था लागू किया जाना प्रस्तावित है। वर्ष 2025-26 के लिये अनुमानित राजस्व ?60,000 करोड़ रखा गया है।

जल परिवहन और पर्यटन को सुदृढ़ करेगी योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में जल परिवहन एवं जल पर्यटन को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण' के गठन को मंजूरी दे दी है।

इस प्राधिकरण के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 'उत्तर प्रदेश जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली 2025' को प्रख्यापित किया गया है। योगी मंत्रिमंडल ने इस नियमावली को अपनी सहमति प्रदान कर दी है। गुरुवार को लोकभवन में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में 12 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इनमें से एक को छोड़कर 11 को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

गौरतलब है कि देश में 111 राष्ट्रीय जलमार्ग

घोषित किए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना सहित कुल 11 राष्ट्रीय जलमार्ग मौजूद हैं। जलमार्गों के जरिए परिवहन को किफायती और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से इस प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है। सरकार का मानना है कि जल परिवहन प्रणाली विकसित होने से यातायात के अन्य साधनों पर दबाव कम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस प्राधिकरण का नेतृत्व मुख्यमंत्री द्वारा नामित परिवहन मंत्री या अंतर्देशीय जलमार्ग, शिपिंग, नेविगेशन, पोर्ट्स और मैरीटाइम मामलों के विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। उपाध्यक्ष के रूप में ऐसे ही विशेषज्ञ व्यक्तियों में से किसी एक को राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, वित्त, लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति, सिंचाई एवं जल संसाधन और वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव इस प्राधिकरण के पदेन सदस्य होंगे। इसके अलावा, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के अध्यक्ष द्वारा नामित एक प्रतिनिधि भी सदस्य के रूप में शामिल होगा। उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त इस प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे। इस प्राधिकरण के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों को शामिल किया गया है। इनमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की शक्तियां एवं कर्तव्य, आवासीय व्यवस्था, यात्रा भत्ता, बैठकों की प्रक्रिया, कोरम, सलाहकार समितियों का गठन, कार्य संचालन की प्रक्रिया, सदस्यों का कार्यकाल, विशेषज्ञों का पैनल, बजट, लेखा और लेखा परीक्षा से जुड़े नियमों को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा, वार्षिक लेखा रिपोर्ट, आरक्षित निधि, तथा भूमि और संपत्ति में प्रवेश करने से संबंधित प्रावधान भी निर्धारित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार जल परिवहन के साथ-साथ जल पर्यटन को भी विकसित करने की योजना बना रही है। इस प्राधिकरण के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों को जलमार्ग से जोड़ने और उन्हें आकर्षक बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इससे पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का यह कदम जल परिवहन को बढ़ावा देने और राज्य में आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

मिल्कीपुर उपचुनाव: सपा नेता प्रदीप यादव की गुमशुदगी पर बढ़ा बवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के मिल्कीपुर में समाजवादी पार्टी के नेता और जिला पंचायत सदस्य प्रदीप यादव की गुमशुदगी का मामला तूल पकड़ने लगा है। पुलिस को अल्टीमेटम दिया है कि अगर 24 घंटे के अंदर उनकी वापसी नही होती है तो सपा विरोध प्रदर्शन करेगी।सपा ने आरोप लगाया कि प्रदीप यादव का एसओ देवेंद्र पांडे से विवाद हो गया था जिसके बाद से वो अब तक वापस नहीं लौटे। समाजवादी पार्टी ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर पुलिस प्रशासन को विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। सपा ने लिखा,24 घंटे में यदि अयोध्या पुलिस ने प्रदीप यादव को सकुशल उनके घर नहीं भेजा तो

एसओ ने की थी अभद्रता, समाजवादी पार्टी ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

समाजवादी पार्टी करेगी आंदोलन। उन्होंने लिखा मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान जिला पंचायत सदस्य के पति प्रदीप यादव से इनायतनगर थानाध्यक्ष देवेंद्र पांडे ने की थी अभद्रता, कहे थे अपशब्द, अत्यंत निंदनीय। तत्काल संज्ञान लें। सपा ने अपनी इस पोस्ट के साथ डीजीपी और अयोध्या पुलिस को भी टैग किया है। सपा का आरोप है कि मिल्कीपुर उपचुनाव के दौरान प्रदीप यादव का इनायत नगर के एसओ देवेंद्र पांडेय से विवाद हो गया था, जब देवेंद्र पांडेय ने उनके साथ अभद्रता और दुर्व्यवहार किया।सपा ने आरोप लगाया कि अब तक प्रदीप यादव अपने घर नहीं पहुँच पाए हैं। सपा ने अपनी पोस्ट के साथ प्रदीप यादव और उनके परिवार की तस्वीर भी शेयर की है।समाजवादी पार्टी की ओर से पुलिस प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है कि अगर प्रदीप यादव अपने घर नहीं पहुंचे तो सपा के द्वारा पुलिस प्रशासन के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। मामले में पुलिस की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई हैं। बुधवार 5 फरवरी को मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए वोटिंग हुई थी, इस दौरान सपा ने प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। चुनाव में गड़बड़ी की आशंका जताई, सपा की ओर से दिनभर में कई शिकायतें की गई।

संक्षिप्त समाचार

मिल्कीपुर: सीएम योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की प्रतिष्ठादांव पर

लखनऊ। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कल 5 फरवरी को मतदान हुआ। यहाँ भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है।मतगणना 08 फरवरी को होगी। अब रिजल्ट के लिए 08 फरवरी का तो इंतजार करना ही पड़ेगा।एग्जिट पोल तो सिर्फ कयास मात्र हैं, अपने अपने नजरिये से लोग गुणा भाग लगाते हैं लेकिन असल जजमेंट तो मतदाता सुना चुके हैं लेकिन वो ईवीएम में बंद है, जब खुलेगी ईवीएम तभी जीत हार तय होगी और मिल्कीपुर का तय होगा एमएलए।कई बार एग्जिट पोल गलत भी साबित हो चुके हैं। इसलिए 08 तारीख का इंतजार है। चुनाव आयोग के अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक शाम 5 बजे तक 65 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।इस सीट पर सपा ने फैजाबाद लोकसभा सीट से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को मैदान में उतारा जबकि भाजपा ने चंद्रभानु पासवान को मौका दिया। आजाद समाज पार्टी कांशीराम के संतोष कुमार चौधरी मैदान में उतरे। जनता से बातचीत के आधार पर लगाए जा रहे अनुमानों में सपा-बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर जरूर है। यहां दलित वोटर्स की अच्छी खासी संख्या है। मुस्लिम और यादव गठजोड़ और दलित वोटरों के बूते समाजवादी पार्टी समर्थक अजीत को मजबूत होने का दावा कर रहे हैं।वहीं कुछ लोग वोटिंग प्रतिशत का हवाला देते हुए बीजेपी की जीत की बात भी कह रहे हैं। वे डबल इंजन की सरकार के काम को भी बीजेपी का पलड़ा भारी होने की बात कह रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि बीजेपी ने ब्राह्मणों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की है जिसका फायदा मिल रहा है।लेकिन दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि बीजेपी ने बाबा गोरखनाथ का टिकट काट दिया जिसकी वजह से उनके कुछ समर्थकों में नाराजगी दिखाई दी है जिसका बीजेपी को खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। कहने वालों ने तो यह भी कह रहे है कि गोरखनाथ के कट्टर समर्थकों ने अंदरखाने खेल कर दिया है।खैर 08 फरवरी को सब सामने आ ही जायेगा।

आरोप लगाने से सपा की डूबती नैया नहीं पार होगी, अखिलेश के बयान पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का पलटवार

लखनऊ। अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान सकुशल सम्पन्न हो गया। 8 फरवरी को नतीजे आएंगे। इसके पहले ही आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के बयान के बयान को लेकर पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में हार सामने देख अखिलेश यादव बौखला गए हैं ! चुनाव आयोग पर आरोप लगाने से सपा की डूबती नैया नहीं पार होगी। जब तक सपा गुंडों, अपराधियों,माफियाओं और दंगाइयों को सपा से बाहर नहीं निकालेगी तब तक साइकिल पंचर ही होती रहेगी और 2027 में सपा प्रत्याशियों की जमानत बचाना भी मुश्किल होगा! दरअसल, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत निर्वाचन आयोग को लेकर विवादित टिप्पणी की है। अखिलेश यादव ने कहा है कि यह भाजपा का चुनाव लड़ने का तरीका है। चुनाव आयोग मर गया है, सफ़ेद कपड़ा हमें भेंट करना पड़ेगा। इस बयान को लेकर बीजेपी सपा पर हमलावार है। अखिलेश यादव के बाद मिल्कीपुर मतदान को लेकर नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मिल्कीपुर में भाजपा ने लोकतंत्र का गला घोंटा है। जिस तरह से सरकारी मशीनरी सत्ता के आगे झुक गई है, वोटरों को प्रभावित करने, मतदान में देरी करने, लोगों को धमकाने, वोट न डालने देने का पाप, जो उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है, वह अपराध है। सत्ता में रहकर उन्हें लगता है कि वे कभी नहीं जाएंगे लेकिन जिस तरह से वे लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं, आने वाले समय में जनता उन्हें जवाब देगी। इतना सब होने के बाद भी मिल्कीपुर में हो सकता है कि नतीजे भाजपा को सबक सिखा दें।

अभिषेक ने की धुआंधार बल्लेबाजी, गुरुकुल ने जीता मैच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अंडर-25 करीम चिश्ती मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुकुल क्रिकेट क्लब ने सिद्धार्थ ग्लोबल क्लब को 211 रन से मात दे दी। इस मैच में अभिषेक सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 70 बाल पर 102 रन बनाये।

गुरुकुल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट गवांकर 327 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज शिवांश सिंह मात्र 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं अभिषेक सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौका और छह छक्का की मदद से 70 बाल पर 102 रन जड़े। अभिषेक यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौका और दो छक्का की मदद से 52 बाल पर 60 रन बनाये। अभिषेक यादव ने शानदार गेंदबाजी भी की और मात्र दो रन देकर तीन विकेट झटक लिये। उत्कर्ष वर्मा ने छह चौका और दो छक्का की मदद से 40 बाल पर 56 रन बनाये। आदित्य ने 38 रन का योगदान दिया। सिद्धार्थ ग्लोबल की पूरी टीम 116 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी और गुरुकुल ने 211 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में हर्षित ने सबसे अधिक 33 रन बनाये।

बेकाबू डंपर ने युवक-युवती को रौंदा, मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में बेकाबू डंपर ने दो लोगों को रौंद दिया। बाइक सवार युवक-युवती गोमती नगर की तरफ से आ रहे थे। तभी तेज डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाघामऊ गोमतीनगर विस्तार की रहने वाली मीना राजपूत (18) पुत्री जगनू पत्रकार पुरम में साड़ी की दुकान में काम करती थीं। बुधवार रात करीब 10 बजे मलेसेमऊ के रहने वाले जोशीन के साथ वापस लौट रही थीं। तभी शालीमार वन वर्ल्ड के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों उछल कर दूर जा गिरे और बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गोमती नगर विस्तार इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी का कहना है कि डंपर शालीमार वन वर्ल्ड के निर्माण कार्य में लगा हुआ था। डंपर कब्जे में लेकर ड्राइवर की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सपा सांसद के गनरों ने जबरन टोल बैरियर हटाया, भाजपा ने कार्यवाही की करी मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से इटावा के सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे के बंदूकधारी गनरों ने जबरन टोल बैरियर हटाया और 35 लग्जरी कारों को बिना टोल चुकाए निकाल लिया। इस दौरान टोल कर्मियों ने विरोध किया तो उन्हें धमकाया गया। इस मामले के चर्चा में आने पर भाजपा पदाधिकारियों में गुस्सा व्याप्त है और उन्होंने समाजवादी पार्टी सांसद के लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने सांसद के लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करते हुए कहा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लाल टोपी काले कारनामे वालों की गुंडागर्दी सामने आई है। इटावा के सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे और उनके गुंडों ने टोल कर्मियों से अभद्रता की और टोल दिए बिना वहां से निकल गए। जहां सपा रहेगी वहां गुंडागर्दी होगी। भाजपा के प्रवक्ता राकेश ने कहा कि वर्तमान

समय में समाजवादी पार्टी के लोग बिल्कुल नहीं बदले हैं, उनके गुंडागर्दी वाले रवैया में कोई बदलाव नहीं है। समाजवादी पार्टी सांसद के इस बर्ताव के लिए उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, आगरा के रहनकलां टोल पर हुई घटना में टोल प्रबंधक नारायण सिंह ने समाजवादी पार्टी के सांसद के दो गनरों रंजीत कुमार और शिवम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आगरा के पुलिस उपायुक्त नगर सोनम कुमार ने बताया कि गनर रंजीत कुमार और शिवम कुमार के विरुद्ध अभद्रता एवं मौके पर उकसाने का प्रयास करने, स्थानीय प्राधिकरण की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

लखनऊ कहलाएगा एक्सप्रेसवे सिटी ऑफ इंडिया एक-दो नहीं, होंगे नौ एक्सप्रेस वे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी को बेहतर हो रही है। प्रदेश को कई हाईवे-एक्सप्रेस वे की सौगात मिल चुकी है।राज्य के बड़े शहरों के साथ छोटे जिलों में भी विकास हुआ है। उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे वाला राज्य बना है। सड़कों को भी चौड़ा किया जा रहा है। यूपी देश का इकलौता शहर है लखनऊ से 9 एक्सप्रेसवे गुजरेंगे और ये एक्सप्रेस वे सिटी ऑफ इंडिया कहलाएगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में 340.8 किमी लंबा, 6-लेन चौड़ा एक्सप्रेसवे है। एक्सप्रेस वे लखनऊ जिले में गोसाईगंज के पास चांद सराय गांव को गाजीपुर जिले में एनएच-31 पर हैदरिया गांव के साथ जोड़ता है। यह एक्सप्रेस वे लखनऊ के अलावा बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर से होकर गुजरता है। वहीं आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे 302 किमी लंबा 6-लेन एक्सेस एक्सप्रेसवे है। ये लखनऊ के मोहान रोड से शुरू होता है और आगरा तक जाता है।

एक्सप्रेस वे से आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, कन्नौज, कानपुर, हरदोई, उन्नाव व लखनऊ कनेक्ट होते हैं। इस एक्सप्रेस वे को नेशनल एक्सप्रेस वे-6 के नाम से जाना जाता है। ये एक्सप्रेस वे 6 लेन का है। ये इस साल के अंत तक 8 लेन हो सकता है। इसे अवध एक्सप्रेस वे के नाम से भी जाना जाता है। यह एक्सप्रेसवे लखनऊ के शहीद पथ से शुरू होकर कानपुर के आजाद मार्ग पर खत्म होता है। यह एक्सप्रेसवे 63 किलोमीटर लंबा है। इस एक्सप्रेस वे पर 18 किलोमीटर एलिवेटेड रूट और 45 किलोमीटर ग्रीन फील्ड रूट है। राष्ट्रीय राजमार्ग 230 यानि एनएच 230 जिसे किसान पथ या लखनऊ आउटर रिंग रोड के रूप में भी जाना जाता है।यह उत्तर प्रदेश में मोहनलालगंज से बड़ेल तक जाता है। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को लिंक एक्सप्रेसवे से लिंक किया जाएगा।यह लिंक एक्सप्रेस वे 60 किलोमीटर लंबा है। इस लिंक एक्सप्रेसवे के बनने से दिल्ली से पूर्वांचल जाने में समय कम लगेगा। इस लिंक एक्सप्रेसवे के बनने से इन जिलों के लोगों को लखनऊ तक की सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।गंगा एक्सप्रेस वे मेरठ से प्रयागराज के बीच बन रहा है। इस एक्सप्रेस वे का निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीडा कर रहा है।यह 594 किलोमीटर लंबा है। यह छह लेन का एक्सप्रेस वे है। गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे, उत्तर प्रदेश का एक ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे है।यह गोरखपुर से शुरू होकर शामली तक जाएगा। यह यूपी के 22 जिलों से होकर गुजरेगा।यह 700 किलोमीटर लंबा होगा। यह गंगा एक्सप्रेसवे के बाद उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा एक्सप्रेस वे होगा। इस एक्सप्रेसवे के निर्माण पर करीब 35,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। विज्ञान पथ की मदद से लखनऊ से हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, उन्नाव और रायबरेली जैसे शहरों से कनेक्टिविटी मिलेगी. यहां से 6 लेन से 250 किलोमीटर की आउटर रिंग रोड होगी। शहीद पथ और किसान पथ के बाद राजधानी को आसपास के छह जिलों से जोड़ने के लिए इसको बनाया जाएगा। उधर गोमती एक्सप्रेस वे लखनऊ से उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर को जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे होगा। यह गोमती नदी के किनारे बनेगा। इसके बनने से लखनऊ से उत्तराखंड का सफर आसान होगा।

शोभानाथ सिंह ग्यारहवी बार मुंशी संघ अध्यक्ष निर्वाचित

लखनऊ। मुंशी संघ सिंचाई विभाग उत्तरप्रदेश का द्विवार्षिक अधिवेशन सचिवालय संघ के पूर्व अध्यक्ष हरिशरण मिश्रा और रोड़वेज कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी ड्राइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत मिश्रा एवं अभय शुक्ला द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के उपरान्त नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। नई कार्याकारिणी में शोभानाथ सिंह (मनोज) ग्यारहवी बार मुंशी सघ के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए।

चुनाव अधिकारी ने बताया कि नव निर्वाचित कार्यकारिणी में प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास कुमार त्यागी, उपाध्यक्ष अरूण खरे पूर्व ,उपाध्यक्ष पश्चिम शैलेन्द्र सिंह, प्रान्तीय महामंत्री धीरेन्द्र मिश्रा, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष वैद्यनाथ कुमार और प्रान्तीय सम्प्रेक्षक प्रवीणनाथ चुने गए। नव निर्वाचित कार्यकारिणी को मुख्य चुनाव अधिकारी अमरजीत मिश्रा ने शपथ दिलाई।

बिजली विभाग में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बिजली विभाग में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने एमडी कार्यालय पर गुरुवार को प्रदर्शन किया है। मांगों को लेकर कार्यालय पर जुटे हजारों कर्मचारियों ने मध्यांचल प्रबंधन को कर्मचारियों की समस्याएं बताने के लिए सत्याग्रह का रास्ता चुना है। दरअसल, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोगी निगम, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड गोखले मार्ग लखनऊ के कार्यक्षेत्र में मानक से कम कर्मचारियों को तैनात कर कार्य कराने, पूर्व से तैनात कर्मचारियों की कुल संख्या के लगभग 40: भाग के बराबर कर्मचारियों की छटनी करने, 55 वर्ष का हवाला देकर कर्मचारियों को कार्य से हटाने, मध्यांचल प्रबंधन द्वारा पूर्व में हुए समझौते का पालन न करने, मानक के अनुरूप सुरक्षा उपकरण न देने, 8 घंटे 26 दिन के स्थान पर 12 घंटे 30 दिन कार्य

कराने, कार्य के दौरान बिजली की चपेट में आने या खंभे से नीचे गिरकर घायल हुए कर्मचारियों का कैशलेस उपचार न कराने, उचित उपचार के अभाव में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की मृत्यु होने, दुर्घटना के शिकार कर्मचारियों द्वारा उपचार में व्यय की गई धनराशि को संविदाकारों के बिल से काटकर भुगतान न करने, ईपीएफ घोटाले की जांच न कराने, 17 जनवरी 2025 को संगठन पदाधिकारियों व मध्यांचल प्रबंधन के बीच बनी सहमति के कार्यवृत्त में हेराफ़ेरी करने के कारण आउटसोर्सिंग कर्मचारी एकजुट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदाध्संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया है कि मध्यांचल प्रबंधन को बिजली के आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याएं बताने के लिए संगठन ने प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 5 फरवरी को मध्यांचल के अंतर्गत आने वाले जनपदों में विरोध सभा की है। वहीं आज यानी 6 फरवरी 2025 को प्रबंध निदेशक मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कार्यालय पर कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया है।

काली पट्टी बांधकर कोर्ट पहुंचे वकील, प्रयागराज मारपीट मामले को लेकर प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में वकील के साथ हुई मारपीट मामले को लेकर लखनऊ के वकील प्रदर्शन कर रहे हैं। वकीलों ने आज काम बंद दिया है। सभी काली पट्टी बांध कर सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इधर लखनऊ बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं के खिलाफ हो रही घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। प्रयागराज में वकील धीरेंद्र सिंह के साथ 4 फरवरी को मारपीट हुई। आरोप है कि उप निरीक्षक अतुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से वकील के साथ दुर्व्यवहार किया। उनके कोट पैंट फाड़ दिए गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसी वजह से वकीलों में आक्रोश है। बार की तरफ से प्रशासन को अल्टीमेटम दिया गया है। कहा गया है कि अभी सिर्फ काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया जा रहा है। लखनऊ बार एसोसिएशन में 5000 वकील शामिल हैं। अगर जल्द से जल्द मांगों को नहीं मानता तो वकील सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। कुछ दिन पहले लखनऊ में भी वकील देवकीनंदन पांडेय पर हमला हुआ था। इस मामले को लेकर भी यूपी बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान सदस्य परेश मिश्रा ने अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद और पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर को पत्र लिखा है। पत्र में बताया गया है कि विभूति खंड थाने में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद वकील को लगातार धमकियां मिल रही हैं। 5 फरवरी को अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी और महामंत्री ब्रजभान सिंह भानू की अगुआई में कार्यकारिणी की बैठक हुई।

अभिलेखगार में मुआवने की प्रक्रिया को सरलीकृत किया जाये: मंगला प्रसाद सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अधिवक्ताओं के साथ शिष्टाचार संवाद किया और मुक़दमों के त्वरित निस्तारण में उनके सहयोग के लिए उनको साधुवाद दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि उनकी कोर्ट में 22 फ़रवरी 2024 तक के सभी वादों का निस्तारण किया जा चुका है। यह उपलब्धि बिना अधिवक्ताओं के सकारात्मक सहयोग के संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता व कोर्ट एक दूसरे के पूरक हैं। उनके कार्यकाल में कुल 1585 राजस्व वादों का निस्तारण किया गया है। जिलाधिकारी ने समन्वय को बेहतर बनाने के लिए अधिवक्ताओं से सुझाव भी प्राप्त किये। एक अधिवक्ता के सुझाव पर जिलाधिकारी ने कहा कि अभिलेखगार में मुआवने की प्रक्रिया को सरलीकृत किया जाये। अभिलेखागार में कंप्यूटर व प्रिंटर की व्यवस्था की जाये। दस्तावेजों को व्यवस्थित ढंग से रखा जाये। उन्होंने जानकारी दी कि अभिलेखागार में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे हैं। अधिवक्ता रमेश सिंह सोमवंशी के सुझाव पर जिलाधिकारी ने कहा कि कोर्ट में कुर्सी व मेज की पर्याप्त व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अदम पैरवी में किसी भी वाद को यथा संभव ख़ारिज न किया जाये। संवाद के दौरान जिलाधिकारी ने 1962 से वकालत कर रहे अखिलेश्वर नाथ गुप्ता से अब तक के उनके अनुभवों के बारे में जाना जिन्होंने बताया कि अब वकालत करना काफ़ी आसान हो गया। रास्ते अच्छे बन गए हैं जिससे आवागमन में असुविधा नहीं होती। पहले मुक़दमों के निस्तारण में बहुत समय लगता था। संवाद कार्यक्रम के दौरान बार के अध्यक्ष रामेन्द्र सिंह तोमर ने जिलाधिकारी को पुष्प गुच्छ भेंट किया। डीजीसी राजस्व आशुतोष मिश्रा ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा व विशेष लोक अभियोजन गुंजन मिश्रा ने भगवान कृष्ण की फोटो जिलाधिकारी को भेंट की। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, उप जिलाधिकारी तान्या सिंहए उप जिलाधिकारी राकेश सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरदोई पुलिस कीअनूठी पहल: बुजुर्ग हिस्ट्रीशीटर्स की हिस्ट्रीशीट समाप्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने एक सराहनीय और अनूठी पहल करते हुए जिले के 70 साल से ऊपर के बुजुर्ग हिस्ट्रीशीटर्स को एसपी ऑफिस बुलाकर उनसे भविष्य में अपराध न करने का वचन लिया और उनकी हिस्ट्री शीट समाप्त कर दी। इस कदम के तहत अब इन बुजुर्गों को थाने में नियमित हाजिरी लगाने की आवश्यकता नहीं होगी।

इस बारे में बात करते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हरदोई पुलिस द्वारा ऑपरेशन कवच चलाया जा रहा था जिसमें कुल 2200 हिस्ट्रीशीटर्स थे जिनका फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया उसे दौरान यह बात पता चली कि इसमें से 123 हिस्ट्रीशीटर ऐसे हैं जिनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक है 24 हिस्ट्रीशीटर्स उम्र 80 वर्ष से अधिक है वह दो ऐसेहिस्ट्रीशीटर्स भी हैं जिनकी आयु 90 वर्ष से अधिक है और इन लोगों ने 10 सालों से कोई अपराध नहीं किया गया है कुछ तो उन्हें ऐसे हैं जिन्होंने 30 साल से कोई अपराध नहीं किया है पुलिस ने अब इसमें अपराध न करने और उनके इलाके में अपराध की सूचना देने की बात की जिससे इनके गाँव से अपराध कम किया जा सके जिससे इनकी सामाजिक स्थिति में सुधार और सम्मान की भावना को बढ़ावा मिलेगा बुजुर्ग हिस्ट्रीशीटर्स ने एसपी नीरज जादौन को आश्वासन दिया कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे और साथ ही अपने अनुभव के आधार पर अन्य अपराधियों को भी अपराध न करने की सलाह देंगे।

एसपी का यह मानवीय कदम अपराध रोकथाम के साथ-साथ समाज में विश्वास और सुधार की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास है।

मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने जिलाधिकारी को सौंपा निमंत्रण पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज गौराडांडा के छात्रों ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह से मिलकर आगामी 9 फरवरी को प्रारम्भ होने वाले वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र सौंपा व पुष्प गुच्छ भेंट किया। जिलाधिकार ने छात्रों को कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में आने का आश्वासन दिया। 9 फरवरी से 14 फरवरी के मध्य कॉलेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

महाविद्यालय में बैडमिन्टन एकल एवं युगल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा समारोह के अन्तर्गत बैडमिन्टन पुरूष एवं महिला वर्ग की एकल एवं युगल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र.छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो निखिलेश शरण ने छात्र-छात्राओं को नियमानुरूप प्रदर्शन करने की सलाह दी।

प्रतियोगिता में एकल वर्ग में मो0 अब्दुल्ला एम0कॉम0 प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, आकर्ष बी0कॉम0 तृतीय सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान एवं पर्व सूरी एम0कॉम0 प्रथम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रा एकल प्रतियोगिता में शिवांगी पाण्डेय बी0एस-सी0 पंचम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, अतिया निशात बी0एस-सी0 पंचम सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान एवं अनुभा पाण्डेय बी0 कॉम0 तृतीय सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।युगल प्रतियोगिताओं के परिणाम में छात्र वर्ग प्रथम स्थान पर्व सूरी एवं आकर्ष (वाणिज्य संकाय) द्वितीय स्थान- रचित सिंह गौर एवं दीपक (साइंस संकाय) तृतीय स्थान- नवनीत सिंह एवं अमित (बी0एड0 संकाय) व छात्रा वर्ग में प्रथम स्थान अतिया निशात एवं शिवांगी पाण्डेय (साइंस संकाय) द्वितीय स्थान में सोमलता एवं प्रीती यादव (बी0एड0 संकाय) तृतीय स्थान में अनुभा पाण्डेय एवं रिया अग्रवाल (वाणिज्य संकाय) रही। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा प्रभारी डॉ0 जय भगवान सिंह ने किया एवं डॉ0 गुलशन कुमार, डॉ0 कृष्ण कुमार कनौजिया एवं डॉ0 अर्पिता मौर्या ने निर्णायक के रूप में कार्य कर प्रतियोगिता सम्पन्न करायी। इस अवसर पर अनेक छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

हो बाबा साहब के नाम पर चर्चा, घर-घर पहुंचेगा पीडीए पर्चा कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विधानसभा 160 बालामऊ के ग्राम कुकूही व ग्राम पंचायत के कुशहा गांव में कबीर आश्रम में हो बाबा साहब के नाम की चर्चा कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तिलक चंद पासी व अशोक वर्मा गोपार लोहिया वाहिनी जिला अध्यक्ष फैजान अहमद व कछौना नगर के अध्यक्ष मोहम्मद वारिस मौजूदगी में कार्यक्रम के साथ.साथ ब्लॉक कमेटी की घोषणा की गई। इस दौरान अशोक वर्मा गोपर ने कहा अभियान के तहत पीडीए टीम प्रत्येक परिवार के घरों तक पहुंच कर डॉ० बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की नीतियों से अवगत करा रही हैं, क्योंकि विधानसभा क्षेत्र में पीडीए आंकलन रिपोर्ट के आधार पर बेरोजगारी की समस्या भयावह रुप लेती जा रही है। जिसके कारण बजारों में भी क्रय शक्ति गिरने से व्यापारी वर्ग परेशान है। रोजगार और व्यापार की बात न कर केवल जनता का ध्यान भटकाने का काम भाजपा की ओर से किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर पीडीए पंचायत अभियान के तहत सपा कार्यकर्ताओं ने फ्रंटल संगठनों पीडीए की युवा टीम की ओर से विशाल पीडीए पंचायत कार्यक्रम कुकुही व कुशहा में भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के सामने किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक उपाध्यक्ष छोटेलाल वर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष रियाज गाजी, ब्लॉक उपाध्यक्ष शैलेंद्र वर्माए ब्लॉक उपाध्यक्ष सुनील कुमार, ब्लॉक उपाध्यक्ष अजय कुमार कश्यप, ब्लॉक उपाध्यक्ष शिवाकांत यादव, ब्लॉक उपाध्यक्ष रोहित गौतम, ब्लाक महासचिव राजेंद्र मौर्य, ब्लॉक कोषाध्यक्ष रिंकू रावत, ब्लॉक सचिव महेश कुमार, ब्लॉक सचिव राधेश्याम, ब्लॉक सचिव दीपेंद्र यादव, ब्लॉक सदस्य मिश्रीलाल वर्मा, ब्लॉक सदस्य भंते मौर्य, ब्लॉक सदस्य सुशील कुमार, समस्त पदाधिकारी गण मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारी संख्या में पीडी समाज के लोग मौजूद रहे।

फुटबाल पुरूष प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला क्रीड़ाधिकारी मन्जू शर्मा ने बताया है कि 11 से 15 फरवरी 2025 को स्पोर्टस स्टेडियम हरदोई मे राज्य स्तरीय सीनियर फुटबाल पुरूष प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा, जिसमे प्रदेश की कुल 10 टीमे प्रतिभाग करेगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के सम्बन्ध मे 07 फरवरी 2025 को स्पोर्टस स्टेडियम मे 03 बजे एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने समस्त मीडिया बन्धुओं से अनुरोध किया है कि उक्त प्रेस वार्ता हेतु निर्धारित समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

राजा नरपत सिंह के किले का होगा पुरातात्विक विकास: जिलाधिकारी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि शासन की ओर से तहसील बिलग्राम के माधौगंज विकास खण्ड के रुईयागढ़ी स्थित राजा नरपत सिंह के किले को पुरातत्विक स्थल घोषित किया गया है, इससे जनपद में ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और किले का नियमित रखरखाव सुनिश्चित होगा और इस आशय की अधिसूचना शासन द्वारा जारी की गयी है। विकास हेतु तीन भूमि गाटों को लिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि राजा नरपत सिंह जनपद के एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी थे और उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। शासन की ओर से जारी अधिसूचना से जनपद वासियों की एक बहु प्रतीक्षित माँग पूरी हो गयी है।

जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में कोई लापरवाही नहीं होगी क्षम्य:. डीएम

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी हरियावां विकास खण्ड के बिजगवां गाँव के एक व्यक्ति जिलाधिकारी के पास पहुँचे। उन्होंने बताया कि 18 दिसम्बर 2024 को उनके द्वारा बेटे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया गया था। सचिव द्वारा कई बार दौड़ाने के बाद भी अब तक प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। जिलाधिकारी ने तत्काल वर्चुअल माध्यम से सचिव से बात की और प्रमाण पत्र जारी न होने का कारण पूछा। सचिव की ओर से कोई संतोष जनक उत्तर न मिलने पर जिलाधिकारी ने तत्काल आवेदक के पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र जारी करते हुए खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि लापरवाही के लिए सम्बंधित सचिव की जवाबदेही तय की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र के किसी भी आवेदक को अनावश्यक रूप से न दौड़ाया जाये। प्रमाण पत्र जल्द से जल्द जारी किया जाये। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 में दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। 21 दिन से अधिक व 1 वर्ष से कम अवधि के प्रकरणों में डीपीआरओ ;ग्रामीणद्ध या

सीएमओ ;शहरीद्ध के सीआरएस पोर्टल पर भेजकर अनुमति तत्काल प्राप्त की जाये। एक वर्ष से अधिक पुराने जन्म व मृत्यु के मामले में उपजिलाधिकारी की ओर से जारी आदेश को पोर्टल पर अपलोड कर तत्काल प्रमाण पत्र जारी किया जाये। किसी भी प्रकार से आवेदक को परेशान न किया जाये। इसी क्रम में विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में कर करेत्तर की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित की जाये। कम प्रगति वाले विभाग फरवरी व मार्च माह में विशेष प्रयास करें। वाणिज्य कर विभाग से उन्होंने कम वसूली को लेकर कड़ी नाराजगी जतायी। तहसीलदारों को उन्होंने निर्देश दिए कि वाणिज्य कर से सम्बंधित आरसी का जल्द निस्तारण कराया जाये। अधिशाषी अधिकारी पाली को उन्होंने कम वसूली पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। अधिशाषी अधिकारी शाहाबाद को तहसील दिवसों में अनुपस्थित रहने पर कड़ी फटकार लगायी। आईजीआरएस शिकायतों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि निस्तारण की गुणवत्ता व समय का पूरा ध्यान रखा जाये अन्यथा जवाबदेही तय की जाएगी। शिकायत निस्तारण के एक मामले में लापरवाही होने पर उन्होंने तहसीलदार बिलग्राम को कड़ी फटकार लगायी तथा सम्बंधित कानून गो को निलंबित कर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जाँचकर्ता अधिकारी मौके पर अवश्य जाये। मौके पर न जाने व शिकायतकर्ता से अगली बार सबसे अधिक असंतोषजनक फीडबैक वाले विभागों के वरिष्ठ अधिकारी के निलंबन की संस्तुति की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एग्जिट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रात: 11 बजे जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकासखंड माधौगंज के ब्लॉक सभागार में एग्जिट कॉन्फ्रेंस (ब्लॉक सभा) का आयोजन किया गया बैठक में खंड विकास अधिकारी माधवगंज अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जिला सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटर विकासखंड के तकनीकी सहायक ग्राम पंचायत सचिव रोजगार सेवक एवं सोशल ऑडिट यूनिट के सदस्यों द्वारा

प्रतिभाग किया गया स बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 मैं संपन्न सोशल ऑडिट मैं प्रकाश में आए प्रकरणों पर चर्चा की गई बैठक में उपस्थित कार्यदाई संस्था द्वारा की तरफसे प्रकरणों पर अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गईस प्रस्तुत अनुपालन आख्या एवं साक्ष के आधार पर निस्तारण योग्य प्रकरणों का निस्तारण किया गया शेष प्रकरणों पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए तथा जिन प्रकरणों में वसूली की धनराशि जमा कर दी गई है उनका विवरण जमा राशि सहित प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए ताकि प्रकरणों पर ।ज्त् क्लोजर की कार्रवाई पूर्ण की जा सके स बैठक में सोशल ऑडिट के समय अभिलेख प्रस्तुत करनेतथा सोशल ऑडिट रिपोर्ट गुणवत्ता परक तैयार करने तथा सोशल ऑडिट ग्राम सभा बैठक की कार्यवाही सचिव ग्राम पंचायत को उसी दिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

संत कृपाल नगर आश्रम में दबंगों ने किया कब्जे का प्रायस, पुलिस ने किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सण्डीला (हरदोई)। संडीला का संत कृपाल नगर आश्रम एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार यह सुर्खियां आश्रम पर अवैध रूप से कब्जा करने को लेकर है। संडीला का संत कृपाल नगर आश्रम कई बार सुर्खियों में आ चुका है लेकिन इस बार इस आश्रम पर क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष अमित सिंह और उनके साथियों द्वारा आश्रम पर कब्जे का प्रयास किया गया हालांकि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने अवैध रूप से कब्जा करने पहुंचे क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष अमित सिंह और उनके साथियों को रिवाल्वर के साथ गिरफ्तार कर लिया। हरदोई लखनऊ राज्य मार्ग पर बने संत कृपाल नगर आश्रम को लेकर कहा जाता है कि इसके अंदर इतनी जगह है कि एक छोटा शहर बस सकता है। आश्रम पर कब्जा करने पहुंचे समिति के अध्यक्ष का एक फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल फोटो में उत्तर प्रदेश के डीजीपी के साथ क्रय विक्रय समिति के अध्यक्ष की फोटो वायरल हो रही है। लोगों का कहना है कि जब राजनीतिक रसूख और पुलिस के आला अधिकारी तक पहुंच रखने वाले पर अब क्या कोई सख्त कार्यवाही होती है। संडीला कोतवाली क्षेत्र का है जहां कासिमपुर थाना क्षेत्र के जरहा निवासी अमित सिंह पुत्र बलराम सिंह जो कि संडीला कस्बे के बाबा हजारा बाग कॉलोनी संडीला में रहते हैं वह अपने साथियों देवनगरी अतरौली के रहने वाले और बाबा हजारा बाग कॉलोनी संडीला में रह रहे रोहित पुत्र हरि नाम और अतरौली थाना क्षेत्र निवासी सूरज भदोरिया पुत्र सुरेंद्र सिंह के साथ बीती रात संत कृपाल नगर आश्रम पहुंच गए। यहां पर तीनों लोगों द्वारा आश्रम के अनुयायियों को डराया धमकाया गया साथ ही अमित सिंह जो कि गांव के प्रधान के साथ क्रय विक्रय सहकारी समिति संडीला के अध्यक्ष है। उनके द्वारा माउजर को भी आश्रम के अंदर लहराते हुए डराया धमकाया गया। हालांकि दबंग की इस मंशा को पुलिस ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया। सूचना मिलते ही संडीला कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और सूरज भदोरिया को रिवाल्वर के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा तीनों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर जेल भेज दिया है ।

जानकारी के अनुसार संत कृपाल नगर स्थित दिव्यानंद आश्रम में भाजपा नेता अमित सिंह पर धमकी देने का गंभीर आरोप लगा है। आश्रम की केयर टेकर स्वर्णलता अग्रवाल की तहरीर पर पुलिस ने भाजपा नेता अमित सिंहए उनके भतीजे अश्वनी सिंह और दो अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि अमित सिंह और उनके साथी आश्रम में घुसकर सुरक्षा कर्मियों को धमकाए और स्वर्णलता अग्रवाल को जानमाल की धमकी दी। यह विवाद आश्रम में स्थित दुकान को लेकर चल रहा था, जहां बिना किराए के दुकान पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से लायसेंसी असलहा समेत आठ कारतूस भी बरामद किए। पुलिस अब लायसेंस के निरस्तीकरण की प्रक्रिया में जुटी है

दरोगा ने थाने में प्रधान को चप्पलों से पीटा: जातिसूचक गालियां दीं, पीड़ित ने एसपी से मिलकर की कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कोतवाली पिहानी क्षेत्र के वाजिद नगर के ग्राम प्रधान राजेश कुमार के साथ थाने में दरोगा द्वारा मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। घटना 5 फरवरी की रात की है, जब एक सड़क दुर्घटना की शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रधान राजेश कुमार कुछ अन्य लोगों के साथ थाने पहुंचे थे। दरअसल, वाजिद नगर महोलिया चौराहे पर एक ट्रक की टक्कर से मनोज नामक एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में पीड़ित के भाई रामू के साथ राजेश कुमार और कुछ अन्य लोग रात करीब 10:35 बजे थाने पहुंचे थे। प्रधान का आरोप है कि एसआई अवधेश कुमार यादव ने न केवल उनके साथ मारपीट की, बल्कि चप्पलों से पीटा और जातिसूचक गालियां भी दीं। पीड़ित प्रधान ने बताया कि यह पूरी घटना थाने की महिला डेस्क पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो सकती है। इस घटना के बाद प्रधान राजेश कुमार ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

ऐकेडमिक रिसोर्स पर्सन के पदों हेतु 20 फरवरी तक करें आवेदन: विजय प्रताप सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने बताया है कि समग्र शिक्षा के अन्तर्गत स्थापित न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों एवं ब्लॉक संसाधन केन्द्रों का पुनर्गठन करते हुये विद्यालयों में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करने तथा अन्य अकादमिक क्रियाकलापों के उद्देश्य से समग्र शिक्षा अभियान के अर्न्तगत स्थापित न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों एवं ब्लाक संसाधन केन्द्रों के पुनर्गठन के क्रम में प्रति विकासखण्ड 05 ऐकेडमिक रिसोर्स पर्सन के पदों पर चयन हेतु बेसिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 के नियंत्रणाधीन प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र पंजीकृत डाक द्वारा 20 फरवरी 2025 को सायं 05:00 बजे तक कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरदोई पिनकोड 241001 के पते पर रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजे सकते है। निर्धारित समय के पश्चात् एवं अन्य किसी माध्यम से प्राप्त आवेदन पत्र विचार नहीं किया जायेगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै कमला पत्नी स्व0 रामभजन, पता- मोहल्ला आशानगर, थाना कोतवाली देहात, तहसील सदर, जिला-हरदोई की निवासिनी हूँ। मेरा पुत्र सत्यकुमार बुरी आदतो में लिप्त हो गया है। आए दिन घर में गाली गलौज, हिस्से को लेकर लड़ाई झगड़ा कर फोन पर धमकी देता है। हिस्से को लेकर जान से मारने की धमकी देता रहता है, जिससे शुब्ध होकर, सोच समझ कर व पूरे होशो हवास में अपने पुत्र सत्यकुमार को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करती हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्र सत्यकुमार द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा, वह स्वयं ही जिम्मेदार होगा।

जबरन वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतः प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू-टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और 'सामाजिक संपदा' के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं।

सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है।

मोहन के जापान दौरे से मप्र के औद्योगिक विकास को मिली नई दिशा

हर्षवर्धन पाण्डे

जापान के तकनीकी विकास से डॉ. मोहन यादव को काफी प्रभावित किया। उन्होंने देखा कि कैसे जापान अपने अत्याधुनिक तकनीकी अविष्कारों और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। वहाँ की रेल प्रणाली ने उन्हें खासा प्रभावित किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन की सवारी की और महसूस किया कि कैसे यह तकनीकी दृष्टि से दुनिया के सबसे तेज और सुरक्षित परिवहन साधनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ टोक्यो के मिनाटो-कू में विस्तृत चर्चा की जिसमें जापानी कंपनियों के मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर संभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। जेट्रो ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ बड़े निवेश पर चर्चा की।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा ने न केवल जापान की औद्योगिक प्रगति और विकास को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया बल्कि वहां के लोगों की जीवनशैली, संस्कृति, तकनीकी विकास को भी करीब से देखा। जापान सरकार और प्रवासी भारतीयों द्वारा डॉ. यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जापान में उनकी यात्रा का उद्देश्य मध्य प्रदेश और जापान के सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना रहा। जब वह टोक्यो पहुंचे तो उनका वहां स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए। टोक्यो में जापान के निवेशकों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ मध्य प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों और संभावनाओं के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ''फ्रेंड्स ऑफ एमपी-जापान'' टीम के साथ भेंट करने के साथ ही टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औद्योगिक और निवेश सहयोग के विषय पर बैठक की जिसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में ''सेलिब्रेटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप : फोकस मध्यप्रदेश'' रोड-शो में भी सहभागिता की । जापान के तकनीकी विकास से डॉ. मोहन यादव को काफी प्रभावित किया। उन्होंने देखा कि कैसे जापान अपने अत्याधुनिक तकनीकी अविष्कारों और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। वहाँ की रेल प्रणाली ने उन्हें खासा प्रभावित किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन की सवारी की और महसूस किया कि कैसे यह तकनीकी दृष्टि से दुनिया के सबसे तेज और सुरक्षित परिवहन साधनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ टोक्यो के मिनाटो-कू में विस्तृत चर्चा की जिसमें जापानी कंपनियों के मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर संभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। जेट्रो ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ बड़े निवेश पर चर्चा की। डॉ. मोहन यादव ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी को मध्यप्रदेश में हाइड्रो प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करने वाली कंपनी एएनडीडी मेडिकल के निदेशक डाइकी अराई ने मध्य प्रदेश में निर्माण इकाई स्थापित करने की मंशा जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्य प्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार औद्योगिक इकाइयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। उज्जैन में बन रहे मेडिकल डिवाइस और मुख्य रूप से मेडिकल सेक्टर के लिए भी जापान के उद्योगपतियों से निवेश की बात कही है। सीएम डॉ. यादव के प्रयासों से मध्य प्रदेश में मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बनने जा रहा है जिसके लिए जापान से निवेशकों के बड़े प्रस्ताव भी मिले हैं। उन्होंने सिस्मेक्स की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया और मध्यप्रदेश में सिस्मेक्स को आमंत्रित किया। एएंडडी मेडिकल ने मध्य प्रदेश में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने में विशेष रूचि दिखाते हुए इसे वर्ष के अंत तक इसे शुरू करने की बात कही है। जापान की एएंडडी मेडिकल कम्पनी वैश्विक स्तर पर चिकित्सा उपकरण और स्वास्थ्य निगरानी उत्पादों का उत्पादन करती है। डॉ. मोहन यादव ने कोबे और ओसाका में स्थित हेल्थ केयर और डॉयग्नोस्टिक कम्पनी साइसमेक्स प्रमुख औद्योगिक कम्पनियों के उद्योगपतियों के साथ बैठक की और हेल्थ केयर, ऊर्ज़ा और मैन्युफ़ेक्चरिंग क्षेत्रों में निवेश एवं साझेदारी पर भी चर्चा की। उन्होंने जापानी कार निर्माता कंपनी 'टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन' के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात कर उनसे मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।पैनासोनिक एनर्जी कपंनी लिमिटेड, डॉयग्नोस्टिक कंपनी साइसमेक्स सहित कई औद्योगिक कंपनियों ने बैटरी निर्माण और प्रदेश में ऊर्ज़ा भंडारण के क्षेत्र में गहरी रूचि दिखाई और मध्य प्रदेश में भरपूर निवेश का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जापान दौरे में प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जो नींव तैयार की है उसका फायदा भारत की आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा। जापान की यात्रा डॉ.मोहन यादव के लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जापान में डॉ. यादव की सादगी लोगों के दिल में उतर गई। डॉ. यादव ने अपने सोशल मीडिया में एक ऐसा वीडियो शेयर किया जो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनके सहज, सरल और आकर्षक व्यक्तित्व की विलक्षण छाप देखने को मिल रही है। लोग जापानी अंदाज और भाषा में उन्हें विदाई दे रहे हैं। इम्पीरियल होटल से चेक-आउट करते समय होटल के सदस्यों ने बड़ी देरतक खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं और तस्वीरें खिंचवाईं। लोग तब तक होटल के मुख्य द्वारा पर खड़े रहे, जब तक डॉ. यादव कार में नहीं बैठे। मध्य प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के 15,000 से अधिक निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह सम्मेलन उद्योगपतियों के लिए आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र होगा। इस बार की समिट में जापान कंट्री पार्टनर होगा जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी। जापानी निवेशकों के अलावा अन्य देशों के भी निवेशक इस समिट में भाग लेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी। इस आयोजन से नए उद्योगों की स्थापना, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और राज्य की औद्योगिक छवि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद है। कहा जा सकता है कि डॉ.मोहन यादव का जापान दौरा एमपी में जापानी कंपनियों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। उन्होंने अपनी चार दिन की जापान यात्रा में न केवल जापान के प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात की और निवेश और व्यापार के नए अवसरों को तराशा बल्कि जापानी समाज और संस्कृति को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। उन्होंने वहां की तकनीकी प्रगति, कला, संस्कृति और व्यापारिक दृष्टिकोण को अपनी यात्रा के अनुभवों में समाहित किया। यह यात्रा मध्य प्रदेश और जापान के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने में भी सहायक साबित हुई है।

प्रयागराज महाकुंभ में वाटर एटीएम की सफलता के मायने

मुकुंद

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मेला प्रशासन ने वाटर एटीएम के माध्यम से निःशुल्क पेयजल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की है। पहले यह सुविधा एक रुपये प्रति लीटर के शुल्क पर उपलब्ध थी। तब श्रद्धालु या तो सिक्का डालकर या यूपीआई स्कैन के माध्यम से भुगतान कर आरओ जल प्राप्त कर सकते थे। अब यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है। इसके मकसद यह है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। यही नहीं प्रत्येक वाटर एटीएम पर एक ऑपरेटर तैनात किया गया है। वह श्रद्धालुओं के अनुरोध पर बटन दबाते ही शुद्ध जल उपलब्ध कराता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि श्रद्धालुओं को जल प्राप्त करने में कोई समस्या न हो और पेयजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे। महाकुंभ में स्थापित वाटर एटीएम आधुनिक तकनीक से लैस है। इन मशीनों में सेंसर-आधारित निगरानी प्रणाली लगी हुई है, जो किसी भी तकनीकी खामी का तुरंत पता लगाती है। यदि किसी वाटर एटीएम में कोई तकनीकी समस्या आती है, तो इसे जल निगम के तकनीशियन तुरंत ठीक कर देते हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में वाटर एटीएम के प्रयोग ने ऐसे धार्मिक आयोजनों में इसकी सार्थकता पर चार चांद लगा दिए हैं। उम्मीद है कि देश में होने वाले ऐसे आयोजनों में वाटर एटीएम की व्यवस्था की जाएगी। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में वाटर एटीएम के प्रयागराज महाकुंभ-2025 में मिल रही लोकप्रियता पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि महाकुंभ में देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने वाटर एटीएम के माध्यम से स्वच्छ और शुद्ध पेयजल की व्यापक व्यवस्था की गई है। महाकुंभ मेला क्षेत्र में 233 वाटर एटीएम स्थापित किए गए हैं। यह सभी 24 घंटे बिना किसी बाधा के संचालित हो रहे हैं। इनसे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शुद्ध आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) जल प्राप्त कर रहे हैं। मेला प्रशासन के अनुसार, 21 जनवरी से एक फरवरी तक 40.85 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इन वाटर एटीएम का लाभ उठाया। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मेला प्रशासन ने वाटर एटीएम के माध्यम से निःशुल्क पेयजल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की है। पहले यह सुविधा एक रुपये प्रति लीटर के शुल्क पर उपलब्ध थी। तब श्रद्धालु या तो सिक्का डालकर या यूपीआई स्कैन के माध्यम से भुगतान कर आरओ जल प्राप्त कर सकते थे। अब यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है। इसके मकसद यह है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। यही नहीं प्रत्येक वाटर एटीएम पर एक ऑपरेटर तैनात किया गया है। वह श्रद्धालुओं के अनुरोध पर बटन दबाते ही शुद्ध जल उपलब्ध कराता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि श्रद्धालुओं को जल प्राप्त करने में कोई समस्या न हो और पेयजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे। महाकुंभ में स्थापित वाटर एटीएम आधुनिक तकनीक से लैस है। इन मशीनों में सेंसर-आधारित निगरानी प्रणाली लगी हुई है, जो किसी भी तकनीकी खामी का तुरंत पता लगाती है। यदि किसी वाटर एटीएम में कोई तकनीकी समस्या आती है, तो इसे जल निगम के तकनीशियन तुरंत ठीक कर देते हैं। महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की विशाल संख्या को देखते हुए प्रत्येक वाटर एटीएम से प्रतिदिन 12 से 15 हजार लीटर आरओ जल की आपूर्ति की जा रही है। सभी वाटर एटीएम में सिम-आधारित तकनीक का प्रयोग किया गया है। इस वजह से यह प्रशासन के केंद्रीय नेटवर्क से जुड़े रहते हैं। इस तकनीक के जरिये कुल जल खपत, जलस्तर प्रबंधन, जल की गुणवत्ता और वितरण की मात्रा पर निरंतर निगरानी रखी जाती है। हर बार जब कोई श्रद्धालु वाटर एटीएम का उपयोग करता है तो एक लीटर शुद्ध जल निकलता है, जिसे वह मशीन में लगी टोंटी के नीचे रखी बोतल में भर सकता है। पिछले महाकुंभ आयोजनों में देखा गया था कि संगम और अन्य घाटों के आसपास प्लास्टिक की बोतलों और अन्य कचरे की समस्या गंभीर रूप से बढ़ जाती थी। इस बार प्रशासन ने न केवल स्वच्छ जलापूर्ति की व्यवस्था की है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया है। महाकुंभ मेला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि वाटर एटीएम पूरे आयोजन के दौरान बिना किसी बाधा के कार्य करते रहें। इसके अलावा प्रयागराज प्रशासन आगे भी इसी तरह की पहल करने पर विचार कर रहा है। इसका सबसे बड़ा लाभ श्रद्धालुओं को तो मिल ही रहा है, इससे प्रशासन को पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक कचरे में कमी लाने की दिशा में भी सफलता मिल रही है। यह प्रयोग श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बन गया है। यह प्रयोग ऐतिहासिक और अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है। वाटर एटीएम का विचार नया नहीं है। सुरक्षित पेयजल की चुनौती को देखते हुए सरकार ने वैकल्पिक समाधान के रूप में वाटर एटीएम और जल शुद्धिकरण यंत्र जैसे छोटे जल उद्यमों को मान्यता देनी शुरू की है। सेफ वॉटर नेटवर्क के अनुसार, देश में सामुदायिक जलशोधन संयंत्रों की संख्या वर्ष 2014 में 12,000 थी। यह 2018 में बढ़कर लगभग 50,000 हो चुकी है। वर्तमान में यह संख्या और ज्यादा होगी। सरकार 2030 तक हर घर जल के अंतर्गत तेजी से काम कर रही है। देश के लाखों लोगो को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए वाटर एटीएम की शुरुआत 2008 में पीरामल फाउंडेशन के सेल्स हेड धर्मवीर सिंह ने की थी। उन्होंने इसके लिए सर्वजल अभियान शुरू किया था। यह वाटर एटीएम वाटर बूथ भी कहलाते हैं। जैसे की मिल्क बूथ होते हैं जो दूध उपलब्ध कराते है और ये वाटर बूथ पानी उपलब्ध कराते है। ये वाटर बूथ दिखने में एटीएम की तरह होते है, इसलिए इन्हें वाटर एटीएम भी कहा जाता है।

निम्न और मध्यम वर्ग को सिर्फ कर में छूट देना मांग को बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं

अंजन रॉय

बजट ने लघु और मध्यम क्षेत्र को महत्व दिया है। यह सर्वोत्कृष्ट आपूर्ति पक्ष अर्थशास्त्र है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण तब था जब राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकियों को बड़े कर कटौती की पेशकश की थी और वे मांग में भारी उछाल के साथ वापस आये और अमेरिकी आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया। कुल मिलाकर, छूट में उछाल को छोड़कर, कराधान दरों को अछूता छोड़ दिया गया है। क्या निम्न और मध्यम वर्ग के लिए आयकर रियायत समग्र घरेलू मांग को बढ़ावा देगी और भारत को आगामी ट्रम्प स्टॉर्म टैरिफ और एक अशांत वैश्विक अर्थव्यवस्था से पार पाने में मदद करेगी? 31 जनवरी को जारी आर्थिक सर्वेक्षण में, यह सवाल उठाया गया था और इसका उत्तर मांगा गया था। सर्वेक्षण ने तर्क दिया था कि वैश्विक स्थिति बिगड़ रही है या कम से कम वैश्वीकरण पीछे हट रहा है। इसलिए, घरेलू मांग को और बढ़ावा देने की आवश्यकता थी। भारत मुख्य रूप से घरेलू मांग के दम पर बढ़ रहा है। निर्यात केवल अवशिष्ट हो सकता है। चीन को उम्मीद है कि घरेलू मांग बढ़ने से उसे राहत मिलेगी, जो उसे अब तक नहीं मिल पाई है। साथ ही, वित्त मंत्री ने भारत के निर्यात हितों की रक्षा करने की कोशिश की है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आठवें बजट के बारे में एकमात्र बड़ा विचार 12 लाख रुपये तक की आयकर छूट की घोषणा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह 7 लाख रुपये की छूट सीमा से बहुत बड़ी छलांग है। हालांकि इसमें एक राजनीतिक पेंच है। लेकिन एक तरह से यह दिल्ली बिजली शुल्क के बारे में आप की अवधारणा से उधार लिया गया है। यानी, अगर आय 12 लाख रुपये से एक रुपया ज्यादा है, तो 4 लाख रुपये की आय से आगे कर की प्रगतिशील दर लागू होगी। मान लीजिए, 12 लाख रुपये की आय में एक रुपया और जोड़ने पर, व्यक्ति को 4 लाख रुपये से ज्यादा की आय पर प्रगतिशील पैमाने पर 5प्रतिशत की दर से कर देना होगा। संभवतरू, यह उम्मीद करते हुए कि 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को पूरी कर छूट मिलेगी, सवाल यह है-क्या इससे घरेलू मांग बढ़ेगी? यह देखते हुए, वर्तमान आयकरदाताओं में से 85प्रतिशत को कर के भुगतान से छूट मिलनी चाहिए। सरकार इस बदलाव पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान देगी। इसे मध्यम वर्ग का बजट कहा जा सकता है, जिसमें उच्च महत्वाकांक्षाओं और बयानबाजी की कमी है। यह राजकोषीय विवेक पर जोर देता है और निजी क्षेत्र के निवेश पर जोर देता है। कुल मिलाकर बजट रूढ़िवादी लगता है। बयानबाजी की कमी शेयर बाजार की धीमी प्रतिक्रिया में झलकती है। उन्होंने लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग को महत्वपूर्ण स्तंभों के रूप में देखा था। उन्होंने शुरू में ही अपना मूल उद्देश्य बताते हुए कहा था-यह बजट विकास को गति देने, समावेशी विकास को सुरक्षित करने, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू भावनाओं को ऊपर उठाने और भारत के उभरते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार के प्रयासों को जारी रखता है। इस तरह, वह बढ़ती घरेलू मांग, घरेलू निजी निवेश और जमीनी स्तर पर घरेलू लघु और मध्यम उद्यमशीलता की उम्मीद कर रही थी। बजट ने लघु और मध्यम क्षेत्र को महत्व दिया है। यह सर्वोत्कृष्ट आपूर्ति पक्ष अर्थशास्त्र है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण तब था जब राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकियों को बड़े कर कटौती की पेशकश की थी और वे मांग में भारी उछाल के साथ वापस आये और अमेरिकी आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया। कुल मिलाकर, छूट में उछाल को छोड़कर, कराधान दरों को अछूता छोड़ दिया गया है। क्या निम्न और मध्यम वर्ग के लिए आयकर रियायत समग्र घरेलू मांग को बढ़ावा देगी और भारत को आगामी ट्रम्प स्टॉर्म टैरिफ और एक अशांत वैश्विक अर्थव्यवस्था से पार पाने में मदद करेगी? 31 जनवरी को जारी आर्थिक सर्वेक्षण में, यह सवाल उठाया गया था और इसका उत्तर मांगा गया था। सर्वेक्षण ने तर्क दिया था कि वैश्विक स्थिति बिगड़ रही है या कम से कम वैश्वीकरण पीछे हट रहा है। इसलिए, घरेलू मांग को और बढ़ावा देने की आवश्यकता थी। भारत मुख्य रूप से घरेलू मांग के दम पर बढ़ रहा है। निर्यात केवल अवशिष्ट हो सकता है। चीन को उम्मीद है कि घरेलू मांग बढ़ने से उसे राहत मिलेगी, जो उसे अब तक नहीं मिल पाई है। साथ ही, वित्त मंत्री ने भारत के निर्यात हितों की रक्षा करने की कोशिश की है। उन्होंने सीमा शुल्क दरों और ढांचे में कुछ बदलाव किये हैं, जिन्हें ट्रंप के अमेरिका से बाधाओं के खतरे के साथ सशर्त बातचीत के रुख के लिए शुरुआती रुख कहा जा सकता है। करों को लेकर उत्साह को अलग रखते हुए, बजट भाषण कृषि क्षेत्र, यात्रा और पर्यटन, स्वास्थ्य और खनन के लिए कुछ छोटी-मोटी परियोजनाओं और प्रस्तावों की पुनरावृत्ति की तरह लग रहा था। अतिशयोक्ति न करते हुए, अंततरू यह फायदेमंद भी हो सकता है। कैसे? वित्त मंत्री ने कृषि क्षेत्र को विकास के पहले इंजन के रूप में महत्व दिया है। वित्त मंत्री ने मूल्यवर्धित कृषि को प्रोत्साहित करने की कोशिश की है। मछली पालन, फल और सब्जियां तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को विकसित करने की कोशिश की गयी है। घरेलू उद्योग के लिए, बजट घरेलू मांग के सृजन पर अपनी उम्मीदें टिकाये हुए है, जो अकेले ही नये निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा दे सकता है। आखिरकार, अगर राजकोषीय घाटे को बनाये रखना है, तो सरकारी खर्च में वृद्धि नहीं हो सकती। बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं या अन्य सार्वजनिक निवेशों में बड़े सार्वजनिक निवेश की घोषणा नहीं की गयी है। सरकार घरेलू विनिर्माण में एक बड़ा कदम उठाने की उम्मीद कर रही है जो अब तक साकार नहीं हुआ है। इसके बजाय, बजट अब विनिर्माण की चुनौतियों का सामना करने के साथ-साथ रोजगार बढ़ाने के लिए छोटे और मध्यम क्षेत्र को मजबूत करने और अधिक रोजगार सृजन गतिविधियों की ओर अग्रसर है। बजट कम से कम उस दृष्टिकोण को दर्शाने का प्रयास करता है। हालांकि, ब्लॉक में एक नया बच्चा तथाकथित श्मॉड्यूलर परमाणु ऊर्ज़ा संयंत्रश और इस प्रयास में निजी क्षेत्र की भागीदारी है। वह मोलर परमाणु संयंत्रों में अधिक उदार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का संकेत दे रही है। छोटे परमाणु ऊर्ज़ा संयंत्र एक प्रमुख खिलाड़ी हो सकते हैं। यदि भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में आगे बढ़ना है तो यह एक निर्णायक कारक हो सकता है। बिजली की आसान उपलब्धता के आधार पर एआई विकसित हो सकता है। सरकार सार्वजनिक निजी भागीदारी पर भरोसा कर रही है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निवेश काफी आगे बढ़ाना जरूरी था। परन्तु सरकार ने बुनियादी ढांचे में बड़े सार्वजनिक निवेश की घोषणा करने में कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। सीतारमण ने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.4प्रतिशत पर रखा है, जबकि बजट अनुमान 4.8प्रतिशत था। यह मुख्य रूप से जीएसटी संग्रह में उछाल के कारण संभव हो सकता है। इस तरह के नियंत्रित घाटे से निजी क्षेत्र को धन जुटाने के लिए बड़ा अवसर मिलेगा। अंत में, हर बजट बड़ी घोषणा वाला नहीं हो सकता। यह बजट छोटे-छोटे कदमों के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करता है ताकि एक बड़ी छलांग लगायी जा सके।

ब्लाक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

● डीएम के निरीक्षण से कर्मचारियों में मची खलबली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कमासिन/बांदा। गुरुवार को जिलाधिकारी बाँदा श्रीमती जे0रीभा ने आज खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय कमासिन एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम खण्ड विकास कार्यालय में निरीक्षण करते हुए मनरेगा सेल, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास की जीओ टैगिंग कार्य, पंचायतों में किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी से जानकारी प्राप्त करते हुए मॉडल ग्राम पंचायतों सहित अन्य ग्राम पंचायतों में प्राप्त धनराशि से कार्यों को कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माणाधीन आरआरसी सेन्टरों के निर्माण को शीघ्र पूर्ण कराये जाने तथा सोकपिट, हैण्डपम्प, तालाब, नाली, खडन्जा, शौचालय आदि के कार्यों से संतृप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने मनरेगा के कार्यों के अन्तर्गत श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराये जाने तथा फैमिली आईडी के कार्य को कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माणाधीन दो आंगनबाडी केन्द्र राघवपुर एवं तिलौसा को निर्माण कार्य डेढ माह में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने एनआरएलएम समूहों को लक्ष्य के अनुरूप गठन कर क्रेडिट लिंकेज कराये जाने तथा बैंको से समन्वय करने के निर्देश दिये। सभागार के टूटे शीशे को ठीक कराये जाने एवं पंचायत सहायकों के कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिये। निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी श्री ओम प्रकाश द्विवेदी सहित एडीओ पंचायत एवं सम्बन्धित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इसके उपरान्त उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कमासिन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्टाफ को ड्यूटी समय में उपस्थित रहने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवा वितरण कक्ष, पैथॉलाजी कक्ष, इमरजेन्सी वार्ड, वाह्य रोग, पंजीकरण केन्द्र, आयुष्मान केन्द्र का निरीक्षण करते हुए आज कितनी गर्भवती महिलाओं की ब्लड की जांच की गयी है तथा एचआरपी रजिस्टर को चेक करते हुए निर्देश दिये कि सभी का एमएचसी कार्ड बनाते हुए उनकी पूरी रिपोर्ट रजिस्टर में अंकित की जाए। निरीक्षण के दौरान नर्स जया देवी, रंजीत गुप्ता अनुपस्थित पाये गये। उन्होंने आरबीएसके टीमों द्वारा विद्यालय के बच्चों एवं आंगनबाडी के बच्चों का नियमित रूप से परीक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

धनुष यज्ञ परशुराम लक्ष्मण संवाद की लीला देख दर्शक भावविभोर

बिलगांव/बांदा। अजीतपारा गांव के प्रमुख एवं प्राचीन कौशल किशोर मंदिर परिसर में बसंतोत्सव से चल रही चार दिवसीय रामलीला के अंतिम दिन धनुष यज्ञ परशुराम लक्ष्मण संवाद की लीला देख दर्शक भावविभोर हो गए जय श्रीराम के उद्घघोष के बीच इसका समापन किया गया कमेटी प्रबंधक सुरेंद्र कुमार शिवहरे ने आए हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया चार दिवसीय लीला के आज अंतिम दिन गुरुवार को दोपहर 11रू00 से शुरू हुई धनुष यज्ञ परशुराम लक्ष्मण संवाद की लीला में राजा जनक के द्वारा पुत्री जानकी के विवाह के लिए एक सीता स्वयंवर का प्रण किया जिसमें उन्होंने शर्त रखी जो कोई वीर या राजा धनुष को तोड़ेगा जानकी उसके गले में वरमाला डालेगी भगवान राम ने गुरु की आज्ञा पाकर धनुष भंग कर दिया धनुष टूटते जय श्रीराम के उद्घघोष से पूरा पंडाल गूज उठा इसके बाद जानकी ने राम के गले में वरमाला डाला आरती पूजन के बाद परशुराम लक्ष्मण संवाद की लीला मानस चौपाइयों के बीच शुरू हुई।

फिट इंडिया मूवमेंट के चौथे दिन योग, एरोबिक्स और खेल गतिविधियों का सफल आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। फिट इंडिया मूवमेंट के चौथे दिन भागवत प्रसाद मेमोरियल अकादमी एवं इंटर कालेज, बांदा में छात्रों को शारीरिक फिटनेस के महत्व से अवगत कराने के लिए योग, एरोबिक्स और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। योग और एरोबिक्स सत्र का संचालन श्री ललित, श्री दिलीप सेन, श्री मुकेश राय और श्री अमित सिंह द्वारा किया गया। एरोबिक्स के माध्यम से छात्रों को यह बताया गया कि यह हृदय और फ़ेफड़ों की क्षमता को सुधारता है। इसके साथ ही यह शरीर के विभिन्न भागों जैसे पैर, जांघ, पेट और पीठ की मांसपेशियों को सक्रिय और मजबूत बनाता है। नियमित एरोबिक्स से शरीर में लचीलापन, फुर्ती और निर्णय लेने की त्वरित क्षमता में सुधार होता है।

खेल प्रतियोगिताओं में खो-खो, कबड्डी और रस्साकशी का आयोजन किया गया। इन खेलों का संयोजन श्री वेद, श्री ललित, श्री अमित और श्री सागर ने किया। खो-खो जैसे खेलों से छात्रों में स्पीड, फुर्ती और टीम भावना का विकास होता है। यह शरीर की मांसपेशियों, खासकर पैर, कूल्हे और कमर की ताकत को बढ़ाता है। कबड्डी और रस्साकशी जैसे खेल शारीरिक स्टैमिना और ताकत को मजबूत करने के साथ-साथ फ़ेफड़ों की क्षमता में भी सुधार करते हैं।

इस आयोजन में श्री राम लखन कुशवाहा (मैनेजर), श्री राजेंद्र सिंह (प्रधानाचार्य), श्रीमती वृंदा विजय जिनराल (अकादमिक डायरेक्टर), तथा स्कूल के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। श्री राम लखन कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि ष्स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। खेल और व्यायाम छात्रों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा स्रोत है।ष कार्यक्रम में सैकड़ों छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इसी क्रम में शिक्षक और शिक्षिकाओं सविता यादव, प्रियंका सक्सेना, पूजा, दिवा मिश्रा, रश्मि मिश्रा, कुसुम, संध्या सरस्वती, अमित कुमार यादव, आभा त्रिपाठी एवं साना इस्लाम ने प्रतिभाग किया और शारीरिक व मानसिक विकास के लिए यह आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

राष्ट्रीय ग्रामीणांचल रामायण मेला का हुआ समापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अतर्रा/बांदा। राष्ट्रीय ग्रामीणांचल रामायण मेला के समापन पर बुंदेलखंडी कलाकारों ने जहां गीत संगीत व भक्ति गीतों के माध्यम से भक्ति की बयार बहाई वही मानस के मर्मज्ञ विद्वानों ने रामचरितमानस से जुड़े विभिन्न प्रसंग की चर्चा कर कहा कि रामचरितमानस मानव की जीवन की आधारशिला है। ग्राम खेरिया में चल रहे पांच दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीणांचल रामायण मेला के समापन दिवस पर बुंदेलखंडी कलाकारों ने जहां बुंदेलखंडी गीत संगीत व नाटक प्रस्तुत कर अपनी अपनी कला कौशल का प्रदर्शन किया वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति रहे प्रोफ़ेसर श्याम बिहारी पांडे ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज की दशा और दिशा बदलती है समाज का वातावरण रामचरितमानस के माध्यम से शुद्ध होता है वह मानव के चरित्र का निर्माण होता है कार्यक्रम में अमर सिंह पटेल ने रावण हनुमान संवाद पर केंद्रित गीत को सुना कर लोगों को मन मुक्त कर दिया छत्तीसगढ़ से आए डॉक्टर ललित सिंह ठाकुर के निर्देशन में हुए शबरी के राम नाटक का कलाकारों ने मंचन किया पूर्व लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर पांडे के स्वागत में लल्लूराम शुक्ला नहीं राम वंदना और बसंत राज प्रस्तुत किया अवधेश द्विवेदी ने हनुमान जी की स्तुति प्रस्तुत की रघुवीर यादव ने लोकगीत प्रस्तुत किया मधु अग्रवाल अंजना वर्मा दुष्यंत तिवारी ने नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मनमोहन अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान के संस्थापक गोपाल भाई द्वारा लिखित सम्मान पत्र प्रोफ़ेसर पांडे को भेंट किया गया इस अवसर पर मानस प्रसंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाली बालिकाओं को पुरस्कार वितरित किया गया इस दौरान मानसिंह पटेल भाजपा नेता अमर सिंह राठौड़ अमर सिंह सपा नेता बृजभूषण यादव अशोक पांडे गिरजाशरण तिवारी विवेक बिंदु तिवारी पकजेंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

सच बोलने वालों पर अल्लाह की रहमत बरसती है: आबिद रब्बानी

बांदा। बीती रात ग्राम बछौदा में एक अजीमुश्शान जलसा ए सीरतुन्नबी सल्लाहो अलैहे व आलिही वसल्लम का आयोजन किया गया। जिसमे हज़रत मौलाना सैय्यद नैय्यर रब्बानी साहब ने फ़रमाया कि अपने मां बाप की इज़्ज़त करो उनको कभी नाराज़ न होने दो मां बाप का मर्तबा इतना बुलन्द है कि तुम्हारा नमाज़, रोज़ा, हज, ज़कात उस वक़्त तक क़ुबूल न होगे जब तक तुम्हारे तुम्हारे मां बाप तुमसे राज़ी ना हों। ह़ज़रत मौलाना सैय्यद आबिद रब्बानी ने फ़रमाया कि मुसलमानों झूठ बोलने वालों पर अल्लाह की लानत बरसती है और सच बोलने वालों पर अल्लाह की रहमत बरसती है। और अल्लाह का शुक्र अदा करते रहो अल्लाह तुम्हे अपनी नेमतों से नवाज़ता रहेगा। वहीं सैय्यद फ़ैज़ान रब्बानी व सैय्यद सकलैन रब्बानी ने खूबसूरत नातो मनक़्बत पेश किए। प्रोग्राम में आए सभी लोगों ने जलसे को खूब पसन्द किया। शोबा ए तबलीग और कमेटी के लोगों ने जलसे को सजाया।

मलिन बस्ती खाईंपार में महिलाओं को शहरी आवास योजना की दी गई जानकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। गुरूवार को एस.डी.सेवा संस्थान द्वारा मुख्यालय की मलिन बस्ती खाईंपार में कुमकुम स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की जानकारी दी गई। योजना के तहत उन महिलाओं को लाभ मिल सकता है जिनके मकान अभी तक पक्के नहीं बने हैं अथवा आरसीसी छत नहीं डली है।महिलाओं को बताया गया कि भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को इस योजना में प्राथमिकता दी जा रही है।अतः समूह की योग्य महिलाएं जल्द से जल्द ऑनलाइन आवेदन करें ताकि उन्हें आवास की सुविधा मिल सके।ऑनलाइन आवेदन के दौरान यह सुनिश्चित करें कि स्वयं सहायता समूह सदस्यता वाले कॉलम को सही से सेलेक्ट करवाएं ताकि योजना का लाभ आसानी से मिल सके। योजना के तहत कच्चे मकानों में रहने वाली महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है और विशेष रूप से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिल सकता है।ऑनलाइन आवेदन करते समय सही जानकारी भरना आवश्यक है ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न हो। आवेदन के लिए इच्छुक महिलाएं नजदीकी सहायता केंद्र या ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए उन्हें अपने आवश्यक दस्तावेज़ जैसे आधार कार्ड,राशन कार्ड,समूह सदस्यता प्रमाण पत्र आदि पहले से तैयार रखने होंगे और आवेदन में समूह सदस्यता कॉलम सही से चयन करना होगा।समूह की महिलाएं जल्द से जल्द आनलाइन आवेदन करें,ताकि वे इस योजना का लाभ लेकर अपने आवास को पक्का बना सकें।

बलिदान का अर्थ होता है सर्व समर्पण: आचार्य अभिषेक

बबेरू/बांदा। ग्राम कुचेंदू में द्विवेदी परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर आचार्य अभिषेक शुक्ल ने कहा कि राजा बलि के समान सर्वस्व समर्पण कर देना ही बलिदान है,उसका अर्थ शिरच्छेद करना कदापि नहीं है,राजा बलि को उसके नाम की सार्थकता गुरु कृपा से प्राप्त हो गई,हमारे यहां शास्त्रों में बताया कि जीव का नामकरण सार्थक,भगवन्नाम से संवलित, सद्गुणसंपृक्त, अक्षर द्वय या अक्षर चतुष्टय सम्पन्न हो,कृदन्त प्रत्ययान्त हो सम्भवतः इतना सूक्ष्मविचार अन्य सभ्यताओं में नहीं हैं,हमें स्वधर्म तथा संस्कृति के अनुरूप सन्तति का नामकरण करना चाहिए आज भी मनु दिलीप दशरथ राम लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, उमा,अपर्णा,सीता ,राधा तथा रुक्मिणी इत्यादि नाम हमारी उदात्त ऐतिहासिक धार्मिक तथा सांस्कृतिक परम्परा के सूचक हैं,नामकरण में इसकी उपेक्षा असमीचीन है,नाम के गुण नामी को सत्कर्म हेतु उत्तेजित करते हैं,राजा बलि का उपाख्यान यह सिद्ध करता है कि व्यक्ति के सद्गुण ही उसे भगवतप्रिय बनाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों को जलशक्ति मंत्री ने बांटे टेबलेट

बांदा। गुरूवार को कामतानाथ आईटीआई परसौडा बाँदा में टैबलेट वितरण कार्यक्रम किया गया जिसमें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामकेश निषाद राज्यमंत्री जलशक्ति उप्र के द्वारा के ने छात्र छात्राओं को टेबलेट बांटे। छात्र एवं छात्रा टैबलेट पाकर खुशी से झूम उठे । इस कार्यक्रम में प्रबंधक रामप्यारे मिश्रा वारिष्ठ भाजपा नेता राजनारायण द्विवेदी, जिला नोडल प्रधानाचार्य बाँदा ,अमित पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रवण कुमार यात्रा के तहत निशुल्क बस सेवा का किया जा रहा आयोजन

शुक्लागंज-उन्नाव। विधायक पंकज गुप्ता एवं उनकी पत्नी रश्मि गुप्ता (अध्यक्ष सनातन समृद्धि सेवा संस्थान) के तत्वावधान में श्रवण कुमार यात्रा के तहत प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ स्नान में निशुल्क बस सेवा का आयोजन किया जा रहा है। गुरूवार को वार्ड 26 आनंद नगर से 80 व वार्ड 6 गांधी नगर 20 श्रद्धालुओं को महाकुभं के लिए भेजा गया। इस दौरान विधायक ने स्थानीय दुर्गा मंदिर में विधि विधान से पूजन कर बसों को महाकुंभ के लिए रवाना किया। विधायक ने बताया कि वह विधानसभा में रहने वाले ज्यादा से ज्यादा लोगों को महाकुंभ स्नान कराने के लिए प्रयासरत हैं। इस मौके पर अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडेय, सभासद प्रत्यय गुप्ता, विजयराज सिंह, धीरज सिंह, सुरेश चन्द्र शुक्ला, सुरेन्द्र गुप्ता, प्रदीप शुक्ला, आयुष पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

जर्जर ट्रफ का एक पैनल गलने से बेपटरी हो सकती थी ट्रेनें, बड़ा हादसा होने से बचा

शुक्लागंज- उन्नाव। गंगा रेलवे पुल पर अप लाइन की जर्जर ट्रफ का एक पैनल गलने से बड़ा हादसा होते-होते बच गया। ट्रैक पेट्रोलिंग के दौरान जब ट्रैकमैन की नजर गली हुई ट्रफ पर पड़ी, तो उसने तुरंत रेलवे अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद पीडब्ल्यूआई ने स्टेशन मास्टर को मेमो जारी किया और रेलपथ विभाग ने फौरन एक अस्थायी प्लेट लगाकर ट्रेनों को धीमी गति से निकाला। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, अगर समय रहते इस खामी को नहीं पकड़ा जाता, तो ट्रेनें बेपटरी हो सकती थीं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। गली हुई ट्रफ के कारण रेलवे प्रशासन को गंगा पुल पर ट्रेनों को रोकना पड़ा। इस दौरान कारपोरेट ट्रेन तेजस, गोमती एक्सप्रेस, उद्योग नगरी, लखनऊ-पुणे, रायबरेली पैसेंजर, मेमो पैसेंजर और दो मालगाड़ियों समेत दर्जनों ट्रेनें प्रभावित हुईं। रेलवे ने इन्हें पुल के पोल संख्या 68/25 के पास से बेहद धीमी गति से गुजारने का फैसला किया। यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा, क्योंकि कई ट्रेनों की रफ्तार थम गई और कई यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

युवक की तहरीर के आधार पर एनसीआर दर्ज कर कार्यवाही शुरू

शुक्लागंज-उन्नाव। देवारा कलां गांव निवासी विवेक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता अपने हिस्से पर दरवाजा लगा रहे थे, तभी चाचा धरमराज से विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई, जिसमें धरमराज सहित दूसरे पक्ष के लोगों को चोटें आईं। पुलिस ने धरमराज की तहरीर पर देशराज, विनय, विवेक और विकास के खिलाफ तथा विवेक की तहरीर पर धरमराज के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रोजगार मेले का आयोजन 11 को

बांदा। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बांदा ने बताया है कि जनपद बांदा के समस्त राजकीय, निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के निम्न व्यवसायों के उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को सूचित किया जाता है कि 11 फरवरी 25 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर बांदा में शिशिक्षु मेले का आयोजन किया जाना है। उक्त मेले में प्रतिभाग करने हेतु निम्नलिखित प्रतिष्ठित सरकारी अधिष्ठान, निजी कम्पनियों प्रातः 10 बजे आ रही है। ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो अप्रैन्टिस पोर्टल पर पंजीकृत हो एवं निम्नलिखित शैक्षिक योग्यता रखते हो मेला में प्रतिभाग कर सकते है।

दबिश के दौरान 290 लीटर अवैध शराब बरामद

● शराब की फुटकर दुकानों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अवैध मदिरा की बिक्री व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी रवि शंकर के कुशल नेतृत्व में आबकारी निरीक्षकों द्वारा मय स्टाफ ग्राम हाजीपुर थाना गंगाघाट, न्योतनी, सूबेदार खेडा थाना हसनगंज, मिर्ज़ापुर था ना सफीपुर, भवानीगंज थाना मौरावा, कटहर थाना पुरवा, रसूलपुर मच्छगवां थाना बॉगरमऊ में दबिश दी गयी। दबिश के दौरान कुल 11 अभियोग आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत करते हुए कुल 290 ली0 अवैध शराब की बरामदगी की गई गया तथा लगभग 170 किग्रा0 लहन नष्ट किया गया। साथ ही आबकारी निरीक्षकों द्वारा मदिरा की फुटकर दुकानों का निरीक्षण करते हुए दुकानों के अनुज्ञापियों व विक्रेताओं को घ्प्ट मशीन से शत-प्रतिशत मदिरा की बिक्री करने व किसी भी दशा में ओवर रेटिंग न करने एवं निर्धारित समय से पूर्व अथवा पश्चात मदिरा की बिक्री न करने हेतु निर्देशित किया गया।

एम्बुलेंस की टक्कर से अधेड़ की मौत

नवाबगंज-उन्नाव।लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे ने तीन मासूम बच्चों को अनाथ कर दिया। तेज रफ्तार प्राइवेट एम्बुलेंस ने दूध लेने जा रहे 50 वर्षीय फल विक्रेता को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के लालपुर गांव निवासी हरि प्रसाद अपने परिवार का एकमात्र सहारा थे। वे सुबह-सुबह दूध लेने निकले थे, लेकिन राजमार्ग पर पहुंचते ही एक लापरवाह एम्बुलेंस चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हरि प्रसाद सोहरामऊ इलाके में फल का ठेला लगाकर अपने तीन बच्चों - लवकुश, भूकेश और बेटी आरती का पालन-पोषण करते थे। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्रद्धालु से भरी मिनी ट्रैवलर रोडवेज से भिड़ी, दो की मौत, 10 घायल

● अयोध्या राम लला के दर्शन करने के बाद चित्रकूट दर्शन को जा रहे थे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नवाबगंज-उन्नाव।लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर उन्नाव के अजगैन कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैवलर की रोडवेज बस से जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें मध्य प्रदेश के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान ईसागढ़ अशोक नगर के 55 वर्षीय सुरेश तिवारी और शिवपुरी की 35 वर्षीय राधा ब्यास के रूप में हुई है। घायलों में विमला सिंह, परमाण सिंह, भागवती, सतीश, रानी, अंश, अनिका, शिवा (ड्राइवर), ओमवती और सुषमा भार्गव शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के 12 श्रद्धालु 1 फरवरी को कुंभ स्नान के बाद बनारस होते हुए अयोध्या में रामलला के दर्शन कर चित्रकूट की यात्रा पर जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही अजगैन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। दो गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना अजगैन कोतवाली क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही हसनगंज के एसडीएम रामदेव निषाद और सीओ संतोष सिंह नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और उन्हें घर भिजवाने की व्यवस्था की। पुलिस ने हाईवे पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। स्थानीय प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। मौके पर अजगैन कोतवाली प्रभारी अवनीश सिंह और चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह हादसा श्रद्धालुओं की यात्रा को एक दुखद मोड़ पर ले आया, जो रामलला के दर्शन करने के बाद अपने घर लौट रहे थे।

प्रसूता के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर की कार्यवाही की मांग

● ऑपरेशन के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने अस्पताल पर लगाए गंभीर आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। ऑपरेशन के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने एक निजी हास्पिटल पर लगाए गम्भीर आरोप लगाया है। जिसमे आशा बहु की पोल भी खुलती नजर आ रही है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। बता दें बांगरमऊ क्षेत्र गांव बेरिया गाड़ा ल निवासी शिवदयाल ने अपनी 30 वर्षीय पत्नी माया को प्रशव पीड़ा के दौरान आशा बहु के सहयोग से 1 फरवरी 2025 को बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया था। जहाँ पर आशा बहू ने तीमारदारों को बहला फुसलाकर बांगरमऊ के हरदोई मार्ग पर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। जहाँ पर प्रसूता का ऑपरेशन कर दिया गया। जिसके बाद खून की कमी बताकर खून चढ़ाया गया। खून चढ़ने के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ना शुरू हो गयी

जिसके बाद अस्पताल संचालक आनन फानन में प्रसूता को लखनऊ के एक निजी हॉस्पिटल लेकर गए जहाँ पर एक दिन बाद प्रसूता को दिमाग की नस फटने की बात कहकर रुपये जमा कराने की बात कही। उसके बाद प्रसुता के परिजन उसे एक निजी एम्बुलेंस से बांगरमऊ के फिर उसी हॉस्पिटल के बाहर लाये और प्रसूता का इलाज कराने को कहा जिसके बाद अस्पताल संचालक ने परिजनों को गाली गलौज कर इलाज कराने से मना कर दिया। परिजनों ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। वही परिजनों ने बताया कि गांव की आशा बहू ने परिजनों को बहला फुसलाकर बांगरमऊ के सीएचसी से प्रसूता को निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था । आशा ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में किडनी गुर्दा निकाल लिए जाते है। नगर व क्षेत्र के गरीब और लाचार तीमारदार आशा बहुओं के चंगुल फसकर न जाने कितनी प्रसुताओं की प्राईवेट अस्पतालों में जानें जा चुकी है।

देखने वाली बात होगी कि इस निजी अस्पताल और आशा बहु पर प्रशासन द्वारा क्या काईवाई की जाएगी।

ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजना की जानकारी प्रशिक्षार्थियों को दी गई

बांदा। जिला उद्यान अधिकारी बांदा ने बताया है कि जनपद बाँदा में युवाओं के लिए माइक्रोड्रीगेशन सिस्टम संचालन एवं रख रखाव विषयक चार दिवसीय रोजगार परक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 03 से 06 फरवरी, 2025 तक कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, बाँदा के प्रशिक्षण हाल में किया गया है। आज तकनीकी सत्र के बाद अन्तिम दिवस में जिला उद्यान अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजना की जानकारी प्रशिक्षार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 प्रशिक्षार्थियों द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया।प्रशिक्षण के अन्तिम दिन 11 माइक्रोइरीगेशन कम्पनियों द्वारा उद्यमिता शिविर में प्रतिभाग किया गया और 40 प्रशिक्षार्थियों ने साक्षात्कार दिये जिसमें 21 प्रशिक्षार्थी चिन्हित किए गये। प्रशिक्षक दल मे शामिल श्रीमती माधुरी को-फाउण्डर एग्रीनेक्शट पुणे, दीपक माथुर, लीड एवंडेड सेल सी0एस0 आफिस लखनऊ, प्रदीप ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षार्थियों को माइक्रोइरीगेशन सिस्टम संचालन व रख रखाव विषयक विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PnU-LKO-AY-WRL-82-24-1 (Pay and Use - Lounges/ Waiting / Retiring/Cloak Rooms)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	24.01.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.02.2025 समय 10.00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.02.2025 समय 10.30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PnU-LKO-AY-WRL-81-24-2 (Pay and Use - Lounges/ Waiting / Retiring/Cloak Rooms)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	24.01.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.02.2025 समय 10.00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.02.2025 समय 10.40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-LKO-AY-OH-465-23-1 (Advertising - Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	23.01.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	08.02.2025 समय 10.00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	08.02.2025 समय 10.30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-LKO-AYC-OH-466-23-1 (Advertising - Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	23.01.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	08.02.2025 समय 10.00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	08.02.2025 समय 10.40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-LKO-PFM-OH-546-25-1 (Advertising - Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28.01.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	13.02.2025 समय 10.00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	13.02.2025 समय 10.30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 403/25

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान जारी

- दो दर्जन से अधिक कब्जेदारों पर की गई कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडेय ने गुरुवार को फजलगंज स्थित नवजीवन पार्क से चार खंभा कुआं तक अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों तरफ नालों के ऊपर बने दो मंजिला मकान समेत चौबीस अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई की। साथ ही उन्होंने कब्जेदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में दोबारा उनके द्वारा कब्जा किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान जारी है। इसी क्रम में महापौर प्रमिला पांडेय नगर निगम टीम और स्थानीय पुलिस बल के साथ फजलगंज पहुंची। यहां पर उन्होंने नवजीवन पार्क से चार खंभा कुआं तक नालों के दोनों तरफ हुए कब्जों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो दर्जन से ज्यादा अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करते हुए सारा सामान जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान नाले के ऊपर अवैध रूप से दो मंजिला मकान भी बना हुआ था। उस पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान महापौर ने सख्त रवैया अपनाते हुए कहा कि शहर में किसी भी तरह से अवैध अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही अवैध अतिक्रमण के चलते लगने वाले ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए यह अभियान जारी रहेगा। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि नगर निगम के वापस जाते ही लोग फिर से कब्जा करने लगते हैं। यदि दोबारा किसी ने भी ऐसा करने की कोशिश करी तो उस पर जुर्माने के साथ-साथ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

एक सप्ताह पहले गायब हुए व्यक्ति का मिला शव

मितौली खीरी। एक सप्ताह पूर्व घर से गायब हुए व्यक्ति का शव सीतापुर रजबहा प्रखंड द्वितीय में ग्राम टिकरिया के पास पाया गया युवक का शव, मिलने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं। जानकारी के अनुसार थाना मितौली क्षेत्र के ग्राम मडरिया निवासी तीरथ राम पुत्र गंगाराम उम्र 40 वर्ष 31 जनवरी को शाम 5 बजे अपने घर से सामान लेने के लिए गया हुआ था घर वापस न आने पर परिजनों द्वारा युवक की गुमशुदगी थाना मितौली में 31 जनवरी को ही लिखाई गई थी। मितौली पुलिस द्वारा गुमशुदा युवक का फोटो तथा प्रपत्र भी चस्पा कराए गए थे 6 जनवरी को नहर में शव मिलने की सूचना मितौली पुलिस को दिए जाने के बाद उप निरीक्षक कस्ता चौकी प्रभारी प्रशांत श्रीवास्तव ने अपने हमराहियों के साथ घटनास्थल पर जाकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है। घटना के संबंध में तरह-तरह की क्षेत्र में चर्चाएं विद्यमान है हत्या या आत्महत्या के संबंध में चर्चाएं ग्रामीणों द्वारा की जा रही हैं।

आटो चालक की हत्या के सात दिन बाद भी नही हुआ खुलासा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर से लापता हुए सकूर का शव 2 फरवरी को पिपरा खुर्द के कंडवा नाले में मिला था मौके पर गोला थाना प्रभारी की टीम व भीरा थाना की पुलिस सहित फोरेंसिक टीम तथा एसओजी टीम पहुंच कर जांच पड़ताल करने के बाद शव को विधिक कार्यवाही करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और अपराधियों की तलाश में लग गई थी मगर सात दिन बीतने के बाद भी अभी तक घटना का खुलासा नही हो सका है मृतक के भाई ने बताया की उनके परिवार की जीविका अकेले मृतक की कमाई से ही चलती थी और ये घटना हो जाने से मृतक के परिवार के आगे आर्थिक संकट खड़ा हो गया है बच्चों के पालन पोषण की चिंता में परिवार का बुरा हाल है और शासन द्वारा भी कोई आर्थिक मदद नही मिली है जिस आटो से परिवार का खर्च चलता था वह भी किस्तों पर लिया गया था और उसकी किस्तें कैसे भर पाएंगी ये चिंता भी परिवार के सामने खड़ी हो गई है मृतक के दो बच्चे एक साल पहले बुरी तरह जल गये थे। जिनका इलाज भी चलता है अब उनके इलाज में भी परेशानी आएगी पीड़ित परिवार शासन से आर्थिक मदद की आस लिए बैठा है मगर अभी तक शासन से कोई आशवासन नही मिलने से परिवार में मायूसी के सिवा कुछ नही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस सीसीटीवी की मदद से अपराधियों तक पहुंच कर घटना का सफल अनावरण करने की कोशिश लगातार कर रही है।

प्रभारी मंत्री ने खीरी थाने का किया निरीक्षण, परखी व्यवस्थाएं

- निरीक्षण में आल इस वेल मिला थाना, प्रभारी मंत्री ने की एसएचओ हेमंत राय की सराहना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले के प्रभारी मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग, उप्र नितिन अग्रवाल गुरुवार को अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार जनपद लखीमपुर खीरी पहुंचे, जहां डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, एएसपी नेपाल सिंह, एडीएम संजय कुमार सिंह के साथ सर्वप्रथम थाना खीरी का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूरे थाना परिसर, लॉकअप, मालखाने, मेंस, महिला सुरक्षा डेस्क तथा सीसीटीएनएस कार्य का निरीक्षण किया।अभिलेखों का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित फरियादियों और नागरिकों से पुलिस की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने मालखाना, विवेचना डायरी, वारंट रजिस्टर आदि का बारीकी से निरीक्षण करने के साथ ही लिखा-पढ़ी करने वाले पुलिसकर्मियों से काम के दौरान होने वाली व्यावहारिक परेशानी के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को लेकर अफसरो के साथ विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने खीरी थाने की चाक चौबंद व्यवस्था देखकर प्रभारी निरीक्षक हेमंत राय की सराहना की तथा संतुष्ट दिखाई पड़े। प्रभारी मंत्री ने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने गरीब असहाय गरीब असहाय को न्याय दिलाने की बात कही।

होम्योपैथी क्षेत्र के मेधावियों का बढ़ाया जाएगा मान

गोला गोकर्णनाथ खीरी। देश के सभी राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा के सत्र 2023-2024 के अपने सम्बन्धित मेडिकल कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा के मेधावियों को प्रशस्ति पत्र मेंडल और मेडिकल एक्यूप्मेण्ट से सम्मानित किया जाएगा। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ होम्योपैथिक फिजिशियन एससीआर के अध्यक्ष डॉ. ओपी श्रीवास्तव ने बताया कि सेन्टर फॉर एडवांश स्टडी इन होम्योपैथिक लखनऊ एवं आईआईएचपी के संयुक्त तत्वावधान में 2 मार्च को लखनऊ में कार्यक्रम आयोजित कर मेधावियों को सम्मानित किया जायेगा। इसी क्रम में प्रान्तीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा उप्र में कार्यरत अपने-अपने राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में सबसे अधिक मरीजों की सेवा करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रतिभावान चिकित्साधिकारी को सर्वोच्च होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा सम्मान से अलंकृत किया जायेगा।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने वाला युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। हैदराबाद थाना प्रभारी शिवाजी दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र की पीड़िता को लन्दन पुर ग्रट के ग्राम नयागांव निवासी जीशान रजा ने दो वर्ष पहले उससे धीरे धीरे निकटता बढ़ाई फिर शादी का प्रलोभन देकर दबाव बनाया जिसके बाद मजबूर कर शारीरिक संबंध स्थापित कर लिए। शादी की बात करने पर वह आजकल का बहाना कर गुमराह करता रहा। अधिक दबाव बनाने पर वह किये गये बांदे से मुकर गया। तब युवती मजबूर होकर थाना हैदराबाद पहुंची और जीशान रजा पुत्र मोहम्मद इमरान के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। शिकायत करते ही थाना प्रभारी शिवाजी दुबे ने आरोपी जीशान रजा के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर मु0 अ0सं 027/025धारा 63/115 (2) /352/351(2) बी एन एस के तहत गिरफ्तार आरोपी जीशान रजा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

उधारी मांगने पर जान से मारने की दी धमकी

गोला गोकर्णनाथ खीरी। उमाचरन पुत्र स्वध राधे श्याम निवासी जिला पंचायत रोडवेज के पीछे गोला कस्बा जिला खीरी का निवासी है जो कि सिकंदर पुत्र साजिद अली निवासी भदेड़ थाना गोला का निवासी है जो उमाचरन को भलीभांति जानता पहचानता था उसने उमाचरन से कहा की हमें कहीं से उधार रुपए दिलवा दीजिए इससे उमाचरन ने 370000 हजार रुपए नगद में दिया था जब उमाचरन ने अपने पैसे वापस मांगे तो तब अभियुक्त सिकंदर अली ने 370000 हजार रुपए की इंडियन बैंक की चेक काट के उमाचरन को दे दिया उमाचरन जब चेक बैंक खाते में लगाने गया तो पता चला खाते में पैसा ही नहीं है जिससे चेक द्वारा पेमेंट नहीं हो सका तब उमाचरन ने सिकंदर अली को फोन किया तो फोन पर ही टालमटोल करने लगा फिर अभियुक्तगण ने 30 दिसंबर 2024 शाम 7:00 बजे उमाचरन को अंबेडकर मूर्ति के पास बुलाया जब उमाचरन ने पैसा मांगा तो सिकंदर अली पुत्र सादिक अली परवेज पिता का नाम ना मालूम सिकंदर का मौसा नाम ना मालूम निवासी भदेड़ थाना गोला तीनों लोगों ने गंदी गंदी गालियां देने लगे।

छात्रा से दुष्कर्म में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जनपद के रोजा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोचिंग जा रही छात्रा को चाकू दिखाकर जंगल में लेजाकर दुष्कर्म करने वाले तीसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में उसने बताया कि छात्रा का मुंह बंद करने के उद्देश्य से वीडियो बनाया था।उसे धमकाया था कि यदि किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर देंगे।मालूम हो कि 29 जनवरी की सुबह कोचिंग जाते समय तसव्वर और उसके साथी किशोर ने चाकू की नोक पर जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था उसके तीसरे साथी कुंवरपाल ने वीडियो बनाया था जो सोशल मीडिया पर वायरल किया था।वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया था।उसी रात मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से तसब्बर घायल हुआ था जबकि दूसरा नाबालिग आरोपी भी गिरफ्तार कर लिया गया था।मंगलवार की रात गश्त के दौरान पुलिस को देखकर अटसालिया पुल के पास एक व्यक्ति भागने लगा।

न.पा.परि. द्वारा भवनकर जलकर वसूली के लगाएं गए कैंप

- नगरवासियों से अधिक से अधिक टैक्स जमा करने के लिए किया गया आग्रह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जलालाबाद / नगर पालिका परिषद जलालाबाद के अधिशाषी अधिकारी एच.एन.उपाध्याय के आदेशानुसार नगर के सभी 25 वार्डों में भवनकर/जलकर एवं जलमूल्य के टैक्स वसूली हेतु प्रत्येक वार्ड में दिनांक 05 फरवरी से 27 फरवरी तक कैंप लगाकर टैक्स वसूली हेतु कार्य प्रारंभ किया गया(इस दौरान प्रथम दिवस में नगर के प्रेमनगर, सुभाषनगर, अशफ़ाक नगर, हाफ़िज़नगर में कैंप लगाए गए जिसने काफी संख्या में लोगों ने भवनकर,जलकर एवं जलमूल्य के टैक्स को जमा भी किया,

इस दौरान कैंप लगाने के संबंध में अधिशाषी अधिकारी एच.एन.उपाध्याय ने बताया कि नगर पालिका परिषद जलालाबाद क्षेत्र के सभी वार्डों में लाउडस्पीकर द्वारा मुनादी करके जनता को लगातार टैक्स जमा करने की सूचना दिलवाई जा रही है,साथ ही सभी वार्डों सभासदों से भी उपरोक्त कैंपों में सहयोग प्रदान करने को कहा गया,एवं जनता से भी अधिक से अधिक टैक्स जमा करने के लिए लगातार तमाम माध्यमों से कहा जा रहा इस दौरान भवनकर,जलकर एवं जलमूल्य वसूली कैंपों में मुख्य रूप से संबंधित लिपिक मो.जीशान,सुशील गुप्ता, नितिन शर्मा सहित वसूली कर्मचारियों में राममोहन, सुधीर राठौर, मोबिन शाह, अनवार, प्रतीक शुक्ला, राम सिंह रामू, नितेश कटियार आदि उपस्थित रहे।

महिला पर तेजाब फेंकने के आरोप में तीन युवकों पर मुकदमा दर्ज

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले के थाना ठाकुरद्वारा कोतवाली क्षेत्र स्थित माता वाली रोड मोहल्ले में रहने वाली 40 वर्षीय महिला पर तीन दिन पूर्व तेजाब डालने के आरोप में गुरुवार को तीन युवकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया। बुधवार को पीड़िता की मां मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई थी। ठाकुरद्वारा इंस्पेक्टर विवेक शर्मा ने बताया कि एसएसपी सतपाल अंतिल के आदेश पर मामले में केस दर्ज किया गया है। माता वाली रोड मोहल्ले में रहने वाली पीड़िता आशिया (40) ने बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। मोहल्ले में रहने वाले एक युवक गुलफाम से उसकी रंजिश चल रही है। सोमवार रात आठ बजे घर में बकरी बांध रही थी। इसी दौरान आरोपित युवक गुलफाम, आसिफ और अरशद की मदद से उसके घर में घुस आया और चेहरे पर तेजाब फेंक दिया। उसका चेहरा बुरी तरह झुलस गया। शोर मचाने पर आरोपित भाग निकले।

उप गन्ना आयुक्त ने मीरगंज चीनी मिल क्षेत्र में भ्रमण कर लिया बसंतकालीन गन्ना बुवाई जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरगंज। गुरुवार को चीनी मिल मीरगंज के ग्राम पहुंचा खुर्द के कृषक चंद्रसेन एवं भजनलाल के दो खेत में बसंतकालीन गन्ना बुवाई का उप गन्ना आयुक्त,यशपाल सिंह जिला गन्ना अधिकारी बरेली द्वारा निरीक्षण किया गया। कृषक द्वारा गन्ना प्रजाति को0 0118 एवं को0 98014 प्रजाति की बुवाई की जा रही है।कृषक ने बताया कि बीज शोधन एवं भूमि के उपचार के बाद ही गन्ने की बुआई की जा रही है और क्षेत्र में गन्ने की बुवाई तेजी से किसानों द्वारा की जा रही है। गन्ने की अच्छी पैदावार के लिए किसानों को आवश्यक दिशा निर्देश व सुझाव दिए गए।वहीं पेड़ी प्रबंधन समय पर करके पेड़ी गन्ने से अधिक पैदावार लेने का सुझाव दिया गया। निरीक्षण के दौरान अशोक कुमार सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति मीरगंज, महाप्रबंधक (गन्ना) ओ पी वर्मा, वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक, प्रेम आदि उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक चेतना जागृति विश्व शांति यज्ञ का किया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। विकासखंड मितौली के ग्राम ओदारा में धार्मिक जागृति आध्यात्मिक चेतना एवं विश्व शांति हेतु श्री गायत्री महायज्ञ एवं मानस वेदांत संत सम्मेलन का 39 वां भव्य आयोजन दिनांक 6 फरवरी दिन गुरुवार से 12 फरवरी 2025 दिन बुधवार तक आयोजित किया जाएगा जिसके प्रथम दिन भव्य कलश, शोभा जल यात्रा, गाजेबाजे के साथ यज्ञ स्थल से पिरयी नदी का पवित्र जल यज्ञ आचार्य हरि गोविंद दास जी महाराज साकेत धाम अयोध्या के द्वारा वैदिक मंत्रों चार से महिलाओं ने घाटों में जल भरकर गायत्री माता का गुड़गान करते हुए यज्ञ स्थल तक पहुंचकर पवित्र जल से यज्ञ स्थल को पवित्र किया गया।

आध्यात्मिक उपदेश एवं कुशल मंच उद्घोषक पंडित विनीत जी महाराज नैमिष सीतापुर ने बताया की नित्य प्रतिदिन प्रात 8 बजे से 11 बजे और दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक हवन पूजन व दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक रात्रि 7:30 से 12 बजे तक बाहर से पधारे मनीषी विद्वान वक्ताओं द्वारा भागवत चर्चा की जाएगी जिसमें यज्ञ आचार्य श्री हरि गोविंद दास साकेत धाम अयोध्या 6 से 12 फरवरी तक, आध्यात्म को उपदेशक कृष्ण कुमार पांडे 6 से 8 फरवरी तक, मानक प्रवक्ता पंडित कुसुम कुमार बाजपेई 7 से 8 फरवरी, अरविंद कुमार दीक्षित 7 से 8 फरवरी, मानस मर्मज्ञ शिव प्रकाश मिश्रा 7 से 8, कत्थक सम्राट रायबरेली अयोध्या प्रसाद मिश्र 9 से 10 फरवरी, मानश प्रवक्ता हरदोई राजेंद्र प्रसाद पांडे 9 से 10, साध्वी शिखा तिवारी नैमिष 9 से 10 तक, श्रीमती पूर्णिमा मिश्रा 11 से 12, प्रवीण कुमार दीक्षित 11 से 12, धर्म प्रचारक नारदानंद आश्रम नैमिष ओमप्रकाश सरस्वती 11 से 12, , भजनों पदेशक आशुतोष शुक्ला 6 से 12 तक, कुशल म्यूजिक कलाकार राकेश कुमार,सुधीर अकेला, प्रेम दीवाना 6 से 12 तक, कोने-कोने से संत विद्वान मानस मर्मज्ञ भजनों पदेशक पधार रहे हैं उपरोक्त तिथियों में सपरिवार पधार कर विद्वानों मनीषी वक्ताओं के मुखारविंद से अमृत में कथा का रसपान कर अपने जीवन को धन्य बनाएं इस अवसर पर यज्ञ समिति ओदारा के समस्त सदस्य,ग्राम और क्षेत्र के सम्मानित नागरिक, दुर्गा स्वरूपा माताएं, बहने, कलश यात्रा में शामिल हुईं।

एसडीएम ने जन चौपाल में ग्रामीणों की सुनी समस्यायें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कलान। गुरुवार को कलान की उप जिला अधिकारी ने ग्राम पंचायत धर्मपुर सथरा पहुंची।जहां पंचायत भवन मे उपजिलाधिकारी कलान चित्रा निर्वाल की अध्यक्षता मे जन चौपाल आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय लेखपाल व ग्राम प्रधान नरेश,प्रधान प्रतिनिधि गगन दीक्षित,स्वास्थ्य विभाग से प्रभारी चिकित्साधिकारी डाधदिनेश सिंह यादव,बाल विकास विभाग से सीडीपीओ सुषमा यादव,विकास खण्ड से सचिव विनोद,आंगनबाड़ी कार्यकत्री,आशा बहू जेई जल शक्ति मिशन व अन्य ग्रामीण उपस्थित हुये।ग्रामीणों द्वारा बिशेष रूप से नये राशनकार्ड व नये आवासों की मांग की गयी।उपजिलाधिकारी चित्रा निर्वाल द्वारा जांच कराकर पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का समाधान करने के लिये सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

परमवीर चक्र विजेता नायक जदुनाथ सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी गयी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कलान। खजुरी गांव में जन्मे जदुनाथ सिंह के बलिदान दिवस पर भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी है। प्रतिमा के जीर्णोद्धार के साथ मंच स्थल व हेलीपैड का काम पूरा हो चुका है।किन्हीं कारणों के चलते उच्च अधिकारियों के न आने से भव्य कार्यक्रम नहीं हो पाया।शहीद नायक की नई प्रतिमा का अनावरण सेवा के उच्च अधिकारियों द्वारा किया जाना है।गुरुवार को राजपूत रेजीमेंट फतेहगढ़ (फर्रुखाबाद)से आए कर्नल अंशुमन त्रिपाठी ने अमर शहीद नायक के चित्र पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।भव्य कार्यक्रम के आयोजन में अभी समय लग सकता है।परमवीर चक्र विजेता नायक जदुनाथ सिंह का गुरुवार को 77वें बलिदान दिवस के कार्यक्रम को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में उत्साह नजर आया। कंपोजिट विद्यालय खजुरी व श्री सरताज सिंह इंटर कॉलेज श्रीनगर में अमर नायक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिवस मनाया गया।

इस मौके पर सूबेदार सुरेंद्र सिंह चौहान,पूर्व सैनिक जागेश्वर,पूर्व सैनिक पहलवान फौजी,ग्राम प्रधान कारे उर्फ बहादुर लाल शर्मा,सत्यवीर सिंह,विनोद गुप्ता उर्फ राजा भैया,शहीद के परिजन गुना देवी, राम सेवक,मेंबर पाल,नेत्रपाल, बबलू,मुनेंद्र पाल ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।शहीद के परिजनो ने बताया कि आज का दिन हमारे लिए सबसे बड़ा महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि आज के ही दिन हमारे वीर परमवीर चक्र विजेता नायक जदुनाथ सिंह देश की सेवा करते हुए शहीद हुए थे।इन्होने नौशेरा सेक्टर जम्मू कश्मीर की चौकी पर तिरंगा लहराया था।सबसे बड़े गर्व की बात है कि आज जो भारत देश नौशेरा सेक्टर जम्मू कश्मीर चौकी पर आजादी का जश्न मना रहा है।वह जदुनाथ सिंह की ही बहादुरी थी।सैन्य अधिकारियों को भी बड़ा गर्व होता है कि ऐसे एक महान पुरुष वीर योद्धा जिन्होंने शाहजहांपुर जनपद का नाम रोशन किया।युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।6 फरवरी 1948 शहादत का वह दिन भुलाया नहीं जा सकता।

21 नवम्बर में जन्मे थे नायक जदुनाथ सिंह

कलान। 1916 में नवम्बर महीने की 21 तारीख को बीरबल सिंह राठौर के घर में जदुनाथ सिंह ने जन्म लिया था।जदुनाथ सिंह अपने भाई बहनों में तीसरे नंबर के थे। इनके पिता बीरबल सिंह राठौड़ खेती और किसानी का काम करते थे।जबकि इनकी माता ग्रहणी थी।जिन्होंने अपनी कोख से ऐसे महान वीर योद्धा को जन्म दिया।1941 में उनका देश के लिए कुछ कर दिखाने का सपना जब पूरा हो गया तो जदुनाथ सिंह को ब्रिटिश भारतीय सेना में शामिल कर लिया गया।उस वक्त उनकी मात्र 25 साल की उम्र थी। 25 साल में राजपूत रेजीमेंट का हिस्सा बनकर सेना में भर्ती होना उनके लिए सबसे बड़ी सौभाग्य की बात थी।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर स्टोइनिस ने वनडे को कहा अलविदा

एजेंसी

मेलबर्न। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में चुने गए ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने गुरुवार को एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। यह 35 वर्षीय खिलाड़ी हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने के लिए उपलब्ध रहेगा। स्टोइनिस के अचानक लिए गए इस फैसले से ऑस्ट्रेलिया की परेशानी बढ़ गई है। उसकी टीम पहले ही खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही है। ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा 12 फरवरी तक करनी होगी। माना जा रहा है कि एसए20 टूर्नामेंट के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण स्टोइनिस ने अचानक यह फैसला किया। वह इस टूर्नामेंट में डरबन सुपर जॉइंट्स की तरफ से खेलते हैं। स्टोइनिस ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा जारी किए हुए बयान में कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के लिए एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना अविश्वसनीय सफर रहा और इसके लिए मैं आभारी हूं। अपने देश का शीर्ष स्तर पर प्रतिनिधित्व करना ऐसी चीज है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यहां फैसला करना आसान नहीं था लेकिन मुझे लगता है कि एक दिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहने और अपने करियर के अगले अध्याय पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने का यह सही समय हे। स्टोइनिस ने कहा, '''रॉन (मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड) के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं और मैंने उनके समर्थन की बेहद सराहना की है। मैं चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाऊंगा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस टखने की चोट से जूझ रहे हैं और उनका चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध है। इसके अलावा अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल मार्श पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी साइड स्ट्रेन से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच 22 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ खेलना है। इसके बाद उसे बाद दक्षिण अफ्रीका (25 फरवरी, रावलपिंडी) और अफगानिस्तान (28 फरवरी, लाहौर) के खिलाफ मैच खेलने हैं। मैकडोनाल्ड ने पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया की टीम के वनडे अभियान में अहम योगदान देने के लिए स्टोइनिस की सराहना की। उन्होंने कहा, ''स्टोइनिस पिछले एक दशक से हमारी वनडे टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। वह एक शानदार खिलाड़ी और बहुत अच्छे इंसान हैं। वह अपने वनडे करियर और अपनी उपलब्धियों के लिए बधाई के पात्र हैं। स्टोइनिस ने अपने वनडे करियर की शुरुआत 2015 में इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में की थी। उन्होंने 71 वनडे मैच में 1495 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। उन्हें 2018-19 में देश का वर्ष का एकदिवसीय क्रिकेटर चुना गया था।

राशिद की तरह ऊर्ज़ा के साथ खेलना चाहता हूं, अभी बहुत कुछ हासिल करना है : अजमतुल्लाह

एजेंसी

गव्बेरहा। आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एक दिवसीय क्रिकेटर अजमतुल्लाह उमरजई ने कहा कि वह अपने करिश्माई कप्तान राशिद खान की तरह ही हमेशा पूरी ऊर्जा और अपना सब कुछ झोंक देने के जज्बे के साथ ही मैदान पर उतरना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनका पुरस्कार आने वाली पीढी के क्रिकेटरों के लिये प्रेरणा बनेगा। अफगानिस्तान के इस चौबीस वर्ष के हरफनमौला ने पिछले साल वनडे क्रिकेट में चौदह मैचों में 20.47 की औसत से सत्रह विकेट लिये और पचास से ऊपर की औसत से 412 रन बनाकर आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार जीता । वह रहमानुल्लाह गुरबाज के बाद अपने देश के लिये बीते साल सर्वाधिक वनडे रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज और एएम गजांफर के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज रहे। यहां पहली बार एसए 20 फाइनल में पहुंची राशिद खान की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस केपटाउन के लिये पदार्पण करने वाले उमरजई ने खास बातचीत में कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है कि यहां पहली बार खेल रहा हूं और हम फाइनल में हैं। पहले दिन से ही टीम का अच्छा संयोजन बन चुका है, हर कोई मैदान पर अपना शत प्रतिशत दे रहा है और यही वजह है कि हम लगातार जीत रहे हैं। पिछले दो सत्र में आखिरी स्थान पर रहने के बाद एमआई केपटाउन लगातार पांच मैच जीतकर फाइनल में पहुंची है। उमरजई ने कहा कि राशिद के कप्तान होने से उनका आत्मविश्वास काफी बढा है और उन्हें काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राशिद खान के साथ अफगानिस्तान की टीम में भी साथ खेलते हैं तो बहुत अच्छा लग रहा है कि एसए 20 में भी वह कप्तान है। वह खिलाड़ियों को बहुत आत्मविश्वास देते हैं । वह जिस ऊर्जा से मैदान पर खेलता है, उसको देखकर हम भी कोशिश करते हैं कि उसी ऊर्जा से खेलें और अपना शत प्रतिशत मैदान पर दें। पिछले साल आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे श्रृंखला में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले इस शर्मीले खिलाड़ी ने कहा कि आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर का पुरस्कार जीतना वाला पहला अफगान खिलाड़ी बनना मेरे लिये बहुत खुशी की बात है । भावी पीढी के हमारे युवाओं के लिये भी यह प्रेरणा बनेगा।

माक्रम के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स ने एसए 20 एलिमिनेटर में जोबर्ग सुपर किंग्स को हराया

एजेंसी

सेंचुरियन। एडेन माक्रम ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 40 गेंद में 62 रन बनाये जिसकी मदद से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार तीसरा एसए 20 खिताब जीतने की ओर कदम बढाते हुए एलिमिनेटर में जोबर्ग सुपर किंग्स को 32 रन से हराया। पिछले दो बार के चैम्पियन सनराजइर्स का सामना अब बृहस्पतिवार को दूसरे क्वालीफायर में सुपर स्पोर्ट पार्क पर ही पार्ल रॉयल्स से होगा। इसमें विजयी रहने वाली टीम शनिवार को वांडरर्स पर मुंबई इंडियंस केपटाउन से फाइनल खेलेगी। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर सनराइजर्स ने माक्रम के 40 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 63 और सलामी बल्लेबाज डेविड बेडिंघम के 14 गेंद में 27 रन की मदद से छह विकेट पर 186 रन बनाये । मार्को जेनसेन ने निचले क्रम पर 12 गेंद में 23 रन बनाये । जवाब में सुपर किंग्स कभी भी मैच में दबाव बनाते नहीं दिखे और 20 ओवर में सात विकेट पर 157 रन ही जोड़ सके। सनराइजर्स के लिये बेडिंघम ने आक्रामक शुरूआत करते हुए पहले ही ओवर में लिथु सिपामला को दो चौके जड़े। इसी गेंदबाज ने दूसरे ओवर में 21 रन दे डाले जिसमें बेडिंघम ने एक चौका और एक छक्का जबकि टोनी डि जोर्जी ने एक्स्ट्रा कवर में एक छक्का लगाया। माक्रम और जेनसेन ने सिपामला के तीसरे ओवर में 29 रन निकाले। पोर्ट एलिजाबेथ में जन्मे इस गेंदबाज ने चार ओवर में 72 रन दे डाले और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। सुपर किंग्स के लिये अनुभवी लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने बेडिंघम को पहली ही गेंद पर पवेलियन भेजा जिनका शानदार कैच एक्स्ट्रा कवर पर फाफ डु प्लेसी ने लपका ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वेस्टइंडीज के 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की होगी शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की पुरुष क्रिकेट टीम 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से करेगी। यह श्रृंखला 25 जून से 16 जुलाई तक खेली जाएगी। डैरेन सैमी की कोचिंग में यह वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट असाइनमेंट होगा, जिन्होंने रेड-बॉल कोच आंद्रे कोली की जगह ली है। श्रृंखला का पहला टेस्ट बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम में और अंतिम टेस्ट जमैका के सबीना पार्क में होगा। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैच भी खेलेंगी। वेस्टइंडीज अपनी घरेलू गर्मी का समापन 31 जुलाई से 12 अगस्त तक पाकिस्तान के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के साथ करेगा। टी20 सीरीज फ्लोरिडा में ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होगी, जबकि ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद में एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद वेस्टइंडीज 21 सितंबर से 23 दिसंबर तक भारत, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। बांग्लादेश में टीम तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी, जबकि न्यूजीलैंड दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल होंगे। 2023 वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद, वेस्टइंडीज 2027 विश्व कप की तैयारी में आयरलैंड और इंग्लैंड में तीन-तीन वनडे और टी20 मैच खेलेगा। आयरलैंड में मुकाबले 21 से 25 मई तक मलाहाइड में होंगे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच 29 मई, 1 जून और 3 जून को हेडिंग्ली, कार्डिफ और द ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम तीन टी20 मैचों के लिए बेलफास्ट लौटेगी, जहां 15 जून को उनका यूके दौरा समाप्त होगा। वेस्टइंडीज की महिला टीम अपने 2025 अभियान की शुरुआत 4 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में विश्व कप क्वालीफायर से करेगी। इस टूर्नामेंट में छह टीमें अगस्त-सितंबर में भारत में होने वाले महिला विश्व कप के दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसके बाद टीम 21 मई से 8 जून तक इंग्लैंड का दौरा करेगी, जहां तीन टी20 और तीन वनडे खेले जाएंगे। फिर वेस्टइंडीज की महिलाएं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्वदेश में तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों में भिड़ेंगी। इन सभी मैचों की मेजबानी बारबाडोस का केंसिंग्टन ओवल करेगा।

संक्षिप्त समाचार

लीजेंड 90 लीग: धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलेंगे रॉस टेलर, बोले- 'ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर रोमांचित हूं'

रायपुर। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार से लीजेंड 90 लीग की शुरुआत हो रही है। इस नए और रोमांचक 90 गेंदों के प्रारूप वाले टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स आमने-सामने होंगे। दिल्ली रॉयल्स टीम की कमान अनुभवी भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन के हाथों में होगी। उनके साथ न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर, वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज लेंडल सिमन्स, श्रीलंका के दनुश्का गुनाथिलका समेत कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा होंगे। रॉस टेलर ने भारत में खेलने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मुझे भारत में खेलना हमेशा पसंद आया है। यहां की ऊर्जा अलग होती है और इस बार लीजेंड 90 लीग का अनूठा प्रारूप इसे और भी रोमांचक बनाएगा। टेलर ने इस नए 90 गेंदों के प्रारूप को लेकर कहा, ''टी20 पहले से ही तेज प्रारूप है, लेकिन 90 गेंदों की यह लीग और भी तेज होगी। इसमें बल्लेबाजों को परिस्थितियों को जल्दी समझकर तेजी से रन बनाने होंगे, जबकि गेंदबाजों को अलग रणनीति अपनानी होगी। टेलर ने शिखर धवन की कप्तानी में खेलने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मैंने शिखर के साथ कई बार अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में आमने-सामने मुकाबले खेले हैं, लेकिन पहली बार उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव होगा। मैं अपनी टीम और कप्तान के लिए 100% देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। दिल्ली रॉयल्स के ऑलराउंडर बिपुल शर्मा ने 90-बॉल फॉर्मेट को लेकर कहा, ''यह एक दिलचस्प और अनूठा प्रारूप है। यह पारंपरिक 10 या 20 ओवरों के प्रारूप से अलग होगा और इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होगा। उन्होंने टीम के संतुलन पर बात करते हुए कहा, ''हमारे पास शिखर धवन और रॉस टेलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिनसे युवा खिलाड़ियों को सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। हम एकजुट होकर खेल का मजा लेंगे और अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करेंगे। शिखर धवन (कप्तान), लेंडल सिमन्स, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, दनुश्का गुनाथिलका, शरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, पुनीत बिस्ट, अनुरीत सिंह, एंजेलो परेरा, प्रवीन गुप्ता। लीजेंड 90 लीग का पहला मुकाबला शाम 7 बजे से दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा, जहां प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

सनराइजर्स हैदराबाद ने हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की टीम खरीदी

लंदन। सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 करोड़ पाउंड में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के टूर्नामेंट हंड्रेड की टीम नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का अधिग्रहण कर लिया है। सनराइजर्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तीसरी फ्रेंचाइजी है जो हंड्रेड क्रिकेट प्रतियोगिता में किसी टीम की मालिक बनी है। इससे पहले मुंबई इंडियंस ने ओवल इनविंसिबल्स के 49 फीसदी शेयर खरीदे थे, जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स ने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स में लगभग 10 करोड़ 70 लाख पाउंड में इतनी ही हिस्सेदारी खरीदी थी। यॉर्कशर क्रिकेट क्लब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय पटेल ने बयान में कहा, ''हमें सन ग्रुप के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है और नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को दीर्घकालिक और निरंतर सफलता के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आने वाले दिनों में उनके साथ हमारी बातचीत जारी रहेगी। पटेल ने कहा कि सनराइजर्स का दृष्टिकोण यॉर्कशर से मेल खाता है। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ समय से उनके साथ चर्चा करने के बाद यह स्पष्ट हो गया है वे क्लब के मूल्यों और भविष्य की दिशा से जुड़े हुए हैं और यह सुनिश्चित करने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे कि हम आने वाले वर्षों में बड़ी सफलता हासिल कर सकें। सनराइजर्स ने इस तरह से दूसरी विदेशी टीम खरीदी है। वह दक्षिण अफ्रीका के टूर्नामेंट एसए20 की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप की मालिक भी है जो पिछले दो बार की चैंपियन है और लगातार तीसरा खिताब जीतने की दौड़ में शामिल है।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एफएमसीजी क्षेत्र में ग्रामीण विकास में उछाल, लगातार चौथी तिमाही में शहरी बाजार से आगे

नयी दिल्ली। एफएमसीजी क्षेत्र में ग्रामीण ग्रामीण बाजारों में अक्टूबर दिसंबर तिमाही में तेजी जारी रही और लगातार चौथी तिमाही में इसने शहरी बाजार को पीछे छोड़ दिया। डेटा एनालिटिक्स फर्म नीलसनआईक्यू की दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं के क्षेत्र पर 'एफएमसीजी क्वाटरली स्नैपशॉट' रिपोर्ट के अनुसार, लगातार चौथी तिमाही में ग्रामीण क्षेत्रों ने विकास के मामले में बड़े शहरी बाजारों को पीछे छोड़ दिया है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में त्योहारी मांग से एफएमसीजी उद्योग में मोटे तौर पर खपत-आधारित वृद्धि हुई, जिसमें मुद्रास्फीति के दबाव के कारण 3.3 प्रतिशत औसत मूल्य वृद्धि के बावजूद कुल मात्रा में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, एफएमसीजी उद्योग में भी '' मात्रा वृद्धि की तुलना में इकाई वृद्धि अधिक है'' जो उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के कारण ''उपभोग में छोटे पैक की ओर उपभोक्ताओं की प्राथमिकता में बदलाव'' को दर्शाता है। एफएमसीजी के ग्राहक सफलता प्रमुख रूजवेल्ट डिसूजा ने कहा, '' चार तिमाहियों में पहली बार हमने देखा है कि खपत व मूल्य निर्धारण का संयोजन समग्र एफएमसीजी विकास को गति दे रहा है। इसके अतिरिक्त, छोटे व मझोले विनिर्माताओं के छोटे, किफायती पैक खपत को बढ़ावा दे रहे हैं। शीर्ष आठ महानगरों में मंदी के बावजूद, ई-कॉमर्स खरीदारी व्यवहार को प्रभावित करता रहा। समीक्षाधीन तिमाही में खाद्य तेल और आवेग श्रेणियों ने खाद्य मात्रा में वृद्धि को बढ़ावा दिया, जबकि 'होम एंड पर्सनल केयर' (एचपीसी) क्षेत्र के कपड़े धोने संबंधी सामान का खंड खपत चालक रहा। 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में खाद्य उपभोग वृद्धि सात प्रतिशत रही जो 2023 की इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत थी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में छोटे/स्थानीय विनिर्माताओं ने उपभोग बढ़ाने में बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया, जिसका कारण खाद्य और एचपीसी दोनों श्रेणियों में मात्रा में लगातार वृद्धि रही।

बंगाल बिजनेस समिट के पहले दिन राज्य को मिले है एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 के पहले दिन करीब एक लाख? करोड़ रुपये निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। बुधवार देर रात राज्य सरकार के एक बयान में यह दावा किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीरभूम जिले में स्थित देउचा-पचामी कोल ब्लॉक से कोयला खनन शुरू करने की घोषणा की।ममता बनर्जी ने कहा कि देउचा पचामी, जो दुनिया के सबसे बड़े कोयला ब्लॉकों में से एक है, जहां 1240 मिलियन टन कोयले और 2600 मिलियन टन बेसाल्ट का भंडार है। तृणमूल कांग्रेस ने इस मौके को ऐतिहासिक बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, ''बीरभूम में देउचा पचामी में कोयला खनन से विकास, अवसर और आत्मनिर्भरता के एक नए युग की शुरुआत होगी। भूमि अधिग्रहण और स्थानीय लोगों को मुआवजा देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजीबीएस मंच से इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समिट के उद्घाटन सत्र के समापन पर कहा कि बंगाल की आर्थिक प्रगति उल्लेखनीय रही है। राज्य के कर राजस्व में 4.73 गुना वृद्धि हुई है, पूंजीगत व्यय 13.85 गुना बढ़ा है, सामाजिक क्षेत्र में निवेश 13.38 गुना बढ़ा है और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 10.17 गुना वृद्धि हुई है। यह विकास समावेशी और सतत विकास को दर्शाता है।

क्लीनमैक्स, अमेजन ने कर्नाटक में 100 मेगावाट अक्षय ऊर्ज़ा परियोजना के लिए पीपीए पर किए हस्ताक्षर

नयी दिल्ली। क्लीनमैक्स ने 100 मेगावाट अक्षय ऊर्ज़ा समाधान के लिए अमेजन के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। क्लीनमैक्स ने बयान में कहा, अमेजन के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत वह कर्नाटक के कोप्पल में पवन ऊर्ज़ा परियोजना का विकास और संचालन करेगा। क्लीनमैक्स के प्रबंध निदेशक कुलदीप जैन ने कहा, '' एक ऐसी कंपनी के रूप में जिसने हमेशा स्थिरता को बढ़ावा दिया है, क्लीनमैक्स अपने परिचालन को कार्बन मुक्त बनाने में मदद करने के लिए अमेजन के साथ सहयोग कर खुश है। साथ ही यह भारत के हरित ऊर्ज़ा परिदृश्य को आगे बढ़ाने में भी मदद करेगा। यह परियोजना राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ी होगी और अमेजन के परिचालन द्वारा खपत की जाने वाली बिजली के बराबर बिजली उपलब्ध कराने में मदद करेगी।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'रूफटॉप' सौर ऊर्ज़ा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए किया समझौता

नयी दिल्ली। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आवासीय 'रूफटॉप' सौर परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ साझेदारी की बृहस्पतिवार को घोषणा की। टीपीआरईएल ने बयान में कहा, दोनों संस्थाओं ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत आवेदक 'फिक्स्ड' और 'फ्लोटिंग' दोनों दरों के विकल्पों के साथ सात प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होने वाली ब्याज दर पर छह लाख रुपये तक की ऋण राशि प्राप्त कर सकते हैं। 'प्रधानमंत्री ऽ सूर्य घरः मुफ्त बिजली' योजना दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू 'रूफटॉप' सौर पहल है, जो मार्च 2027 तक एक करोड़ मकानों को सौर ऊर्ज़ा की आपूर्ति करने के साहसिक लक्ष्य के साथ भारत के ऊर्ज़ा परिदृश्य को बदल रही है। टीपीआरईएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) दीपेश नंदा ने कहा, '' बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ यह रणनीतिक सहयोग भारत के हर घर तक स्वच्छ ऊर्ज़ा समाधान पहुंचाने के हमारे लक्ष्य में एक महत्वपूर्ण कदम है। किफायती और सुविधाजनक वित्तपोषण विकल्पों की पेशकश कर हम आवासीय ग्राहकों को आसानी से 'रूफटॉप' सौर प्रौद्योगिकी अपनाने में सक्षम बना रहे हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यकारी निदेशक ललित त्यागी ने कहा, '' हम अक्षय ऊर्ज़ा क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, जो कि सरकार के सतत स्रोतों के जरिये बिजली उत्पादन को अधिकतम करने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

आरबीआई गवर्नर शुक्रवार 10 बजे करेंगे एमपीसी के फैसले का ऐलान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को सुबह 10 बजे पहली बार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। आरबीआई इस बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसले की घोषणा करेंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक फिलहाल जारी है। आरबीआई के गवर्नर शुक्रवार को पहली बार एमपीसी के फैसले का एलान करेंगे।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना 86 हजार के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत मे जोरदार तेजी नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 86 हजार रुपये के स्तर को और 22 कैरेट सोना 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। सोना आज 950 रुपये से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 86,250 रुपये से लेकर 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,060 रुपये से लेकर 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में आज 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अखिल भारतीय वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा अखिल भारतीय वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन 03-04 फरवरी 2025 को उत्तरी क्षेत्र,लखनऊ कार्यालय में किया गया। दिनांक 03 फरवरी 2025 को आयोजित उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता श्री अमित साहा-महानिदेशक,भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने की।

महानिदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ''भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अपने वैज्ञानिक कार्यों के साथ-साथ राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों व वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन में राजभाषा हिन्दी के विकास हेतु सदैव तत्पर रहता है।अखिल भारतीय स्तर पर वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन इसी प्रतिबध्दता का एक अंग है। राजभाषा संगोष्ठी के आयोजन में दो उद्देश्यों की पूर्ति होती है,पहला हम राजभाषा हिन्दी में मूल वैज्ञानिक व तकनीकी लेखन को प्रोत्साहन देते हैं तथा दूसरा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के समस्त कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में एक साकारात्मक वातावरण का सृजन होता है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण,विभिन्न वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्यों,शोधों तथा सर्वेक्षणों के माध्यम से नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यह विभाग अपने वैज्ञानिक कार्यों के साथ-साथ संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के प्रति सजग है। राजभाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिये तथा अपने सर्वेक्षणों व शोधों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए उन्हें जन-मानस की भाषा,राजभाषा हिन्दी में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी में भूविज्ञान,खनिज संसाधन अन्वेषण,भू-तकनीकी अध्ययन तथा पर्यावरणीय चुनौतियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भूवैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुतियां दी गयी। इस संगोष्ठी ने न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान को हिन्दी में विकसित करने का मंच प्रदान किया,बल्कि हिन्दी को राजभाषा के रूप में अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाने में सहायक सिद्ध हुआ। इस संगोष्ठी में तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी ने हिन्दी में साहित्य के विकास को बढ़ावा दिया। संगोष्ठी में प्रकाशित शोध पत्र और प्रस्तुतियों ने हिन्दी में वैज्ञानिक शब्दावली के विकास और प्रयोग को प्रोत्साहित किया,जिससे भविष्य में सरकारी व वैज्ञानिक कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इस पहल से हिन्दी को वैज्ञानिक संचार की भाषा के रूप में सुदृढ़ करने और तकनीकी क्षेत्रों में इसकी स्वीकार्यता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। वैज्ञानिक एवं तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी तथा वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन समानांतर सत्रों में किया गया। वैज्ञानिक एवं तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी में चार सत्र आयोजित किए गए,जिसमें कुल 36 शोध हिन्दी में प्रस्तुत किए गए जो मूलतःअंग्रेजी भाषा में थे। इस कार्यक्रम में भारतवर्ष में स्थित ''जीएसआई'' के विभिन्न कार्यालयों के राजभाषा संवर्ग के 110 पदाधिकारी, राजभाषा अधिकारी वैज्ञानिकों ने भाग लिया। दिनांक 04 फरवरी 2025 को आयोजित समापन समारोह में इस दो दिवसीय कार्यक्रम की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी एवं श्रेष्ठ शोधपत्रों के लेखकों को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता श्री राजिंदर कुमार,अपर महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष उत्तरी क्षेत्र ने की। इस अवसर पर केंद्रिय मुख्यालय की पत्रिका ''भू-मंथन'' के 11वें अंक का विमोचन भी किया गया।

महाकुम्भ में दिव्य साधनाओं का अनूठा महासंगम, बनेगा विश्व कीर्तिमान

- अखंड जप-अविराम साधना! विश्व इतिहास में पहली बार सनातन संस्कृति का दिव्य कीर्तिमान
- 504 ब्रह्मज्ञानी, 792 घंटे का अखंड पाठ, वैदिक शक्ति का महासंगम
- सनातन धर्म की जीवंत चेतना का आलोकपुंज, प्रकृति भी बनी वैदिक स्वर की साक्षी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। जब गंगा की लहरों पर वेद ध्वनि के मंगल स्वर गूंजें, जब यमुना की बहती धारा में मंत्रों की पावन ऊर्जा संचारित हो, जब सरस्वती की अन्तः सलीला में ऋचाओं का गूढ़ ज्ञान प्रवाहित हो-तब एक दिव्य महायज्ञ आकार लेता है जिसे युगों-युगों तक स्मरण किया जाएगा। इस अवसर का महाकुम्भ 2025 पुण्य साक्षी बना हुआ है।प्रयागराज की पुण्य धरा पर जहां स्वयं ब्रह्मा ने सृष्टि का प्रथम यज्ञ संपन्न किया था,वहां आज एक दिव्य यज्ञ अपने चरम पर है-अखंड रुद्री पाठ महादिव्य अनुष्ठानम। दिव्य ज्योति वेद मंदिर में 11088 संहितापाठ 504 ब्रह्मज्ञानी 33 दिनों तक चलने वाले वैदिक अनुष्ठान में 792 घंटों तक अनवरत रुद्री पाठ कर रहे हैं। ब्रह्मज्ञानियों की वाणी से निकले 25,61,328 वैदिक मंत्रों की दिव्य गूंज संपूर्ण वायुमण्डल को आलोकित कर रही है। यह मात्र एक अनुष्ठान नहीं, अपितु सनातन धर्म की जीवंत चेतना का महापर्व है, जहां श्रद्धा, भक्ति और तपस्या का महासंगम अपने दिव्यतम स्वरूप में प्रगट हो रहा है। यह वह क्षण है जब वेदों की शाश्वत ऋचाएं युगों की यात्रा कर आधुनिक मानवता को एक नया संदेश दे रही हैं-सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः। यह केवल भारत की आध्यात्मिक विरासत का गौरव नहीं, बल्कि वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से ओतप्रोत एक वैश्विक आह्वान है, जो समस्त मानवता को शांति, सौहार्द और संतुलन का पथ दिखा रहा है।दिव्य ज्योति जाग्रत संस्थान की प्रवक्ता साध्वी तपस्वी भारती ने बताया, यह आयोजन केवल एक कीर्तिमान स्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि विश्व शांति, मानवता के उत्थान एवं सनातन धर्म की वैदिक परंपराओं के संरक्षण के लिए आयोजित किया गया है। इस अनुष्ठान को एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड, इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड और वर्ल्ड रिकॉर्ड ने मान्यता प्रदान की है। महाकुम्भ केवल मंत्रोच्चार और अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, अपितु यहां तपस्वियों और संन्यासियों की विलक्षण साधनाएं भी श्रद्धालुओं के लिए आस्था और प्रेरणा का केंद्र बनी हुई हैं। पंच दशनाम जूना अखाड़े के एक संत पिछले कई महीनों से एक ही मुद्रा में खड़े रहकर हठयोग की कठोर साधना कर रहे हैं। उनकी तपस्या को देख श्रद्धालु विस्मय और श्रद्धा से नतमस्तक हो रहे हैं। उनका संकल्प स्पष्ट है- राष्ट्र एवं सनातन धर्म की रक्षा। वहीं, निरंजनी अखाड़े के संन्यासियों ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि भारत का यह नेतृत्व जब तक स्थिर है, तब तक राष्ट्र अखंड प्रगति के पथ पर गतिमान रहेगा। महाकुम्भ केवल भारत का ही नहीं, अपितु संपूर्ण विश्व का एक अद्वितीय आध्यात्मिक आयोजन है। इसकी अद्भुत आभा से आकर्षित होकर देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु, 13 प्रमुख अखाड़ों के संन्यासी, असंख्य योगी, संत और साधक प्रयागराज की पुण्य धरा पर पधारे हैं। साध्वी तपस्वी भारती ने बताया कि, दिव्य गुरु आशुतोष महाराज की प्रेरणा से यह सर्वधर्म समभाव और वैश्विक सद्भावना का अनुपम उदाहरण बनकर उभरा है। यह आयोजन केवल संख्याओं की गणना से परे एक वैश्विक आह्वान है, जो एकता, शांति और संतुलन का संदेश दे रहा है। जिसका 16 फरवरी को विश्व रिकार्ड बनेगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव
प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह
समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'
स्थानीय संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)
डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)
स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन
समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी
साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)
आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र
सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस(से नि.)
सह संपादक
मेजर. के. किशोर
सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)
उप सम्पादक
प्रभात वर्मा
स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

महाकुम्भ की दिव्यता-भव्यता देख अभिभूत हुए केंद्रीय मंत्री

- केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने महाकुम्भ में संगम स्नान के बाद की योगी सरकार की सराहना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने महाकुम्भ 2025 की दिव्यता और भव्यता की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ का यह आयोजन अपने आप में एक मिसाल है। करोड़ों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं और उन्हें उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए उन्होंने मोदी-योगी सरकार को धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री ने संगम स्नान के बाद कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की दिव्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस स्तर का आयोजन करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन योगी सरकार ने इसे पूरी तरह सफल बनाया है। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ 2025 के आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार ने डिजिटल और आधुनिक व्यवस्थाओं को भी लागू किया है। जगह-जगह लगाए गए डिजिटल सूचना केंद्र, स्वच्छता अभियान, सुरक्षा व्यवस्था और परिवहन के बेहतरीन प्रबंधों ने श्रद्धालुओं के अनुभव को और भी सुखद बना दिया है। महाकुम्भ क्षेत्र में व्यापक स्तर पर निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनी हुई है। श्रद्धालुओं ने भी योगी सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना की है और कहा कि इस बार का महाकुम्भ हर दृष्टिकोण से अभूतपूर्व है। सरकार द्वारा बनाई गई आधुनिक सुविधाओं और स्वच्छ वातावरण ने इस महापर्व को और भी भव्य बना दिया है। देशभर से आए संतों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की व्यवस्थाओं की खुलकर प्रशंसा की और इसे अब तक का सबसे सुव्यवस्थित महाकुम्भ बताया।

प्रयागराज में प्रवेश मात्र से कई जन्मों के पाप हो जाते हैं नष्ट : जीयर स्वामी

- श्री लक्ष्मी नारायण का ध्यान करने से जिंदगी की सारी परेशानियों होती हैं दूर : जीयर स्वामी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ की रसधार बह रही है। श्री त्रिदण्डी स्वामी के श्री जियर स्वामी जी महाराज ने कहा कि जिंदगी में कितनी भी परेशानियां हो श्री लक्ष्मी नारायण भगवान का ध्यान करने से सब समाप्त हो जाता है। जिसका सौभाग्य होगा वो प्रयागराज में लक्ष्मी नारायण यज्ञ में हिस्सा लेगा। पुराणों में बताया गया है कि प्रयागराज में प्रवेश मात्र से कई जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और संगम के त्रिवेणी में अगर स्नान जो कर लिया उसका जीवन धन्य हो गया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को चिंता नहीं चिंतन करनी चाहिए। चिंता से विनाश होता है, जबकि चिंतन से विकास होता है। चिंता ह्रास का कारण बनता है और कोई परिणाम नहीं दे पाता है। श्री जीयर स्वामी ने सुखदेव जी की जन्मोपरांत तप के लिए वन गमन प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि संन्यासी चार प्रकार के होते हैं, कुटीचक, बहुदक, हंस और परमहंस। कुटीचक संयासी गृहस्थ जीवन के अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन के बाद घर में रहते हुए निर्लिप्त रहते हैं। बहुदक भी कुटीचक के समान होते हैं। हंस संन्यासी दुनिया को नश्वर मान दुनिया में रहते हैं। जैसे-कमल, पानी में रहते हुए भी जल के प्रभाव से मुक्त रहता है। परमहंस सन्यासी दुनिया के किसी विषय वस्तु से सरोकार नहीं रखता। बल्कि स्थित प्रज्ञ की स्थिति में रहता है। उन्होंने कहा कि हर काल में समाज संचालन के नियम-कायदे विभिन्न ऋषियों एवं शासकों द्वारा निर्धारित किए जाते रहे हैं। जैसे मुगलकाल, अंग्रेजी शासन और स्वतंत्रोत्तर भारत के कानून आदि। इसी तरह ऋषियों द्वारा भी त्रेता, सत्युग, द्वापर और कलयुग में नीति निर्धारण किये गये हैं। जिन्हें स्मृति कहते हैं। कलियुग में पराशर स्मृति मान्य है। पराशर स्मृति के अनुसार सभी वर्ण के लोग अपने अनुकूलता के अनुसार जीविकोपार्जन करने के लिए स्वतंत्र हैं। स्वामीजी ने कहा कि मनुष्य जन्म के साथ ही तीन ऋणों मातृ-पितृ ऋण, देव ऋण और ऋषि ऋण से युक्त होता है। मातृ-पितृ ऋण से उऋण (ऋणमुक्त) होने के लिए माता-पिता की जीवनपर्यन्त सम्यक प्रकार से सेवा और मृत्योपरांत श्राद्ध एवं पिंडदान से मुक्ति मिलती है। यज्ञ, पूजा एवं भंडारा से देव ऋण से मुक्ति मिलती है। जबकि सद्ग्रंथों के नियमित अध्ययन से ऋषि ऋण से व्यक्ति उऋण होता है। तीनों ऋणों से उऋण होने वाला ही पुत्र कहलाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि तीनों ऋण से मुक्ति पाने वाला परम धाम को सहज ही प्राप्त कर लेता है।

प्रयागराज के महाकुम्भ में 85 सौ लोगों ने मोह माया छोड़ चुनी संन्यास की राह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। सनातनी परंपरा का प्रतीक महाकुम्भ के मूल में आध्यात्मिकता है। विश्वभर में रचने-बसने वाले सनातनियों को प्रत्येक छह वर्ष पर लगने वाले कुम्भ और 12 साल पर लगने वाले पूर्ण कुम्भ की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन इतनी ही प्रतीक्षा संन्यास की राह पर चल पड़े नागा साधुओं को भी रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कुम्भ के ही अवसर पर उन्हें नागा साधु की पदवी मिलती है। इस महाकुम्भ में भी अलग-अलग अखाड़ों के करीब 8500 साधु नागा के रूप में अभिषिक्त हुए। इसमें जूना अखाड़ा, महानिर्वाणी, निरंजनी, अटल, आवाहन और बड़ा उदासीन में संन्यासी बनाए गए हैं। महाकुम्भ में 8500 ने चुनी संन्यास की राह : महाकुम्भ में 28 जनवरी तक कुल 8495 नागा संन्यासी बनाए जा चुके हैं। इसमें जूना अखाड़ा में 4500 संन्यासी, 2150 संन्यासिनी, महानिर्वाणी में 250, निरंजनी में 1100 संन्यासी और 150 संन्यासिनी शामिल हैं। इसके अलावा अटल में 85 संन्यासी, आवाहन में 150, और बड़ा उदासीन में 110 संन्यासी बनाए गए हैं। संन्यास लेने वालों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और बिहार की महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। सबसे ज्यादा जूना अखाड़े में बने संन्यासी : जूना अखाड़ा में कुल 4500 नागा संन्यासी और 2150 संन्यासिनी बनाये गये हैं। बीती 2 फरवरी को जूना अखाड़ा ने 200 पुरुष और 20 महिलाओं को विधि-विधान के साथ संन्यास दिलाया। इन लोगों ने पिंडदान और विजया हवन कर अपने जीवन को सनातन धर्म के प्रति समर्पित कर दिया। लंबी है नागा साधु बनने की प्रक्रिया : अब बात करते हैं कि नागा साधुओं की दीक्षा कैसे होती है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया कठिन तथा लम्बी होती है। नागा साधुओं के पंथ में शामिल होने की प्रक्रिया में लगभग छह साल लगते हैं। इस दौरान नए सदस्य एक लंगोट के अलावा कुछ नहीं पहनते। कुंभ मेले में अंतिम संकल्प लेने के बाद वे लंगोट भी त्याग देते हैं और जीवन भर दिगंबर ही रहते हैं। पहले ब्रह्मचारी, महापुरुष और अवधूत : कोई भी अखाड़ा अच्छी तरह जांच-परख कर योग्य व्यक्ति को ही प्रवेश देता है। पहले उसे लम्बे समय तक ब्रह्मचारी के रूप में रहना होता है, फिर उसे महापुरुष तथा फिर अवधूत बनाया जाता है। अन्तिम प्रक्रिया महाकुम्भ के दौरान होती है जिसमें उसका स्वयं का पिण्डदान और दण्डी संस्कार आदि शामिल होता है। मौनी अमावस्या का विशेष महत्व : एक संन्यासी को नागा साधु बनाने की प्रक्रिया मौनी अमावस्या से पहले शुरू हो जाती है। परंपरा के अनुसार, पहले दिन मध्यरात्रि में एक विशेष पूजा की जाती है, जिसमें दीक्षा ले चुके संन्यासी को उनके संबंधित गुरु के सामने नागा बनाया जाएगा। संन्यासी मध्यरात्रि में गंगा में 108 डुबकी लगाएंगे। इस स्नान के बाद, उनकी आधी शिखा (चोटी) काट दी जाएगी। बाद में, उन्हें तपस्या करने के लिए जंगल में भेज दिया जाएगा। आस-पास कोई जंगल न होने की स्थिति में, संन्यासी अपना शिविर छोड़ देते हैं। उन्हें मनाने के बाद वापस बुलाया जाएगा। तीसरे दिन, वे नागा के रूप में वापस आएंगे और उन्हें अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर के सामने लाया जाता है। नए नागा अपने हाथों की अंजुलि बनाकर गुरुओं को जल अर्पित करेंगे।

महाकुम्भ में 30 से कम उम्र वाले युवाओं की 50 प्रतिशत से अधिक रही भागीदारी : सम्पूर्णानंद महाराज

- भारत में हो रहे सांस्कृतिक पुनर्जागरण के चलते युवाओं की आस्था में हुई वृद्धि
- पीएम मोदी और सीएम योगी को दिया श्रेय, सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण के लिए किया गया काफी काम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ कई मायनों में बेहद सफल रहा है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि इस बार सर्वाधिक संख्या में देश के युवा वर्ग की इसमें भागीदारी रही है। ऐसी भागीदारी आज तक नहीं देखी गई। यह बात गुरुवार को श्रीशंभू पंचअग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संपूर्णानंद महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम प्रयागराज महाकुम्भ में बसंत पंचमी का अमृत स्नान पूर्ण होने के बाद अब धीरे-धीरे यह आयोजन अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सात फरवरी से यहां अखाड़ों की रवानगी शुरू हो जाएगी। ऐसे में प्रश्न उठ रहा है कि आखिर इस महाकुम्भ की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या रही। जिस तरह समुद्र मंथन के बाद देवताओं को बहुत सारी चीजें प्राप्त हुई थीं, उसी तरह क्या इस महाकुम्भ से भी कुछ प्राप्त हुआ है। सनातन के प्रति आज के युवाओं में आस्था तेजी से बढ़ रही है। इसका श्रेय पीएम मोदी और सीएम योगी दोनों को जाता है, जिन्होंने विगत कुछ वर्षों में सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण के लिए काफी काम किया है। संपूर्णानंद महाराज के अनुसार विगत कुछ वर्षों में भारत में जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण हुआ है, उससे युवाओं में सनातन संस्कृति को समझने और उसे आत्मसात करने की प्रेरणा मिली है। बड़ी संख्या में युवा महाकुम्भ में सत्संग, कीर्तन का हिस्सा बन रहे हैं। महाकुम्भ में चल रहीं राम कथा, भागवत समेत तमाम प्रवचनों में जाकर सनातन के विचारों और आध्यात्म को जानने का प्रयास कर रहे हैं। 18 से 30 वर्ष के तमाम युवा हमारे पास अपनी संस्कृति को समझने, उसका उद्देश्य जानने के लिए आ रहे हैं। आज गूगल पर सबसे ज्यादा सनातन और आध्यात्म को सर्वाधिक सर्च किया जा रहा। रील बनाने वाली युवा पीढ़ी अब रीयल लाइफ जीना चाह रही है। यह महाकुम्भ युवाओं को जागृत करने वाला साबित हो रहा है। यह आगामी पीढ़ी के लिए शुभ संकेत है। यदि हमारी भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ेगी तो सनातन का प्रचार होगा। अपराध कम होंगे और समृद्धि बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह महाकुम्भ सिर्फ युवाओं के लिए नहीं बल्कि हर वर्ग के लिए हितकारी साबित हो रहा है। लोगों की जनभावनाएं एक हो रही हैं। भारत पहले जैसा हो रहा है। लोग आध्यात्म के रंग में सराबोर हो रहे हैं। कोई ऊंच नीच नहीं, कोई भेदभाव नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस महाकुम्भ को एकता का महाकुम्भ बताया है। यह महाकुम्भ उसी का उदाहरण बन रहा है। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी में हर कोई बिना किसी भेदभाव के एक साथ डुबकी लगा रहा है। यहां सामाजिक समरसता का अद्भुत मेल देखने को मिल रहा है। संगम की पवित्र भूमि से लोग यहां की मिट्टी लेकर जा रहे हैं। यह दिखाता है कि लोगों की सोच एक जैसी है। यह एकता और समरसता नए भारत का प्रतिबिंब है। यह शिखर की ओर बढ़ते भारत की सकारात्मक ऊर्जा का संकेत है।